R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 140
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 28 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

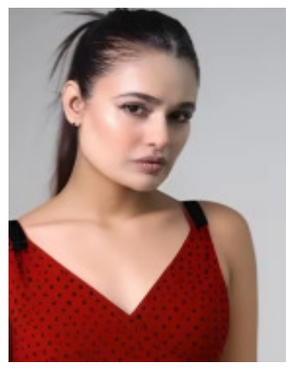

3 यूजीसी को सरकार लें तुरंत वापस, समाज को ... 5 सहकारी बैंक चुनाव में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान 7 बिग बॉस विनर प्रिंस नरूला ने युविका चौधरी ...

एसवाईएल पर मुख्यमंत्री मान-सैनी की चंडीगढ़में बैठक, बोले- सकारात्मक माहौल में हुई बातचीत

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। सतलुज-यमुना नहर परियोजना (एसवाईएल) के लंबे समय से लंबित मुद्दे पर चर्चा के लिए पंजाब और हरियाणा की संयुक्त बैठक मंगलवार को चंडीगढ़ में हुई। यह बैठक सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार आयोजित की गई, जिसने दोनों राज्यों को बातचीत के माध्यम से मामले को सुलझाने का प्रयास करने को कहा था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बैठक में शामिल हुए। हरियाणा की कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी और पंजाब के कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल भी दोनों राज्यों के कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ

उपस्थित रहे। एसवाईएल मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से हुई मुलाकात पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज सकारात्मक माहौल में सार्थक बातचीत हुई। हमने फैसला किया है कि दोनों राज्यों के अधिकारियों के स्तर पर बातचीत को आगे बढ़ाया जाएगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई। यह मुद्दा लंबे समय से लंबित है। हरियाणा हमारा शत्रु नहीं, बल्कि भाई है। आज यह निर्णय लिया गया है कि दोनों पक्षों के अधिकारी नियमित रूप से मिलेंगे। हम यह भी चाहते हैं कि दोनों राज्यों के अधिकारों से समझौता किए बिना जल्द से जल्द कोई समाधान निकाला जाए।

पिछले साल मई में, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों से दशकों पुराने नहर विवाद का आपसी सहमति से हल निकालने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करने को कहा था। एसवाईएल नहर की योजना पंजाब और हरियाणा के बीच रावी और ब्यास नदियों के पानी के उचित और कुशल बंटवारे को सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी। इस परियोजना में 214 किलोमीटर लंबी नहर का निर्माण शामिल है, जिसमें से 122 किलोमीटर पंजाब में और शेष 92 किलोमीटर हरियाणा में बनाया जाना है। एक अन्य घटनाक्रम में, विश्व बैंक ने 'जल संरक्षित हरियाणा परियोजना' के तहत 5, 700 करोड़ रुपये की तकनीकी और वित्तीय सहायता (ऋण) को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य राज्य को जल क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, जल संरक्षित हरियाणा कार्यक्रम के संबंध में चंडीगढ़ में अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राशि 2026 से 2032 तक छह वर्षों में चरणबद्ध तरीके से वितरित की जाएगी।

राहुल गांधी पर बयान देना पड़ा भारी? शकील अहमद का आरोप- मेरे घर पर हमले की रची गई थी साजिश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस से पाला बदलने वाले शकील अहमद के घर के बाहर बिहार पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। अहमद ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने युवा कांग्रेस नेताओं को पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर हमला करने का निर्देश दिया है। यह घटना अहमद द्वारा सोमवार को किए गए एक व्हाट्सएप पोस्ट के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस के सहयोगियों ने उन्हें 'गुप्त रूप से सूचित' किया था कि 27 जनवरी को पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर हमले की योजना बनाई गई है। बाद में उन्होंने कथित योजनाओं के सबूत के तौर पर व्हाट्सएप संदेशों के स्क्रीनशॉट साझा किए।

इससे पहले, अहमद ने मंगलवार को एएनआई से भी इस स्थिति के बारे में बात की और लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व केवल राहुल गांधी तक ही सीमित है, जिसका अर्थ है कि उन्हीं का पूर्ण नियंत्रण है। अपने व्हाट्सएप पोस्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मैंने लिखा था कि कांग्रेस के कुछ सहयोगियों ने मुझे गुप्त रूप से सूचित किया है कि कल मधुबनी और पटना स्थित मेरे घर पर हमला होगा।

अहमद ने दावा किया कि कथित हमले की योजना राहुल गांधी के बारे में उनके बयान से उपजी थी। उन्होंने गांधी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेता उनके बारे में नियमित रूप से बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी हर दिन राहुल गांधी के बारे में बयान देते हैं। आप उन पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं देते? मैं तो कांग्रेस में भी नहीं हूँ। कांग्रेस के बारे में अपना रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि वह शुभचिंतक हैं, शत्रु नहीं, क्योंकि उन्होंने किसी अन्य पार्टी में शामिल न होने का संकल्प लिया है और मृत्यु से पहले उनका अंतिम वोट भी कांग्रेस को ही जाएगा।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस से हाल ही में अलग हुए शकील अहमद ने राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने और पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।

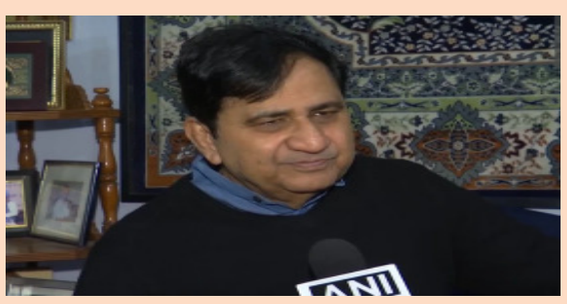

महाकाल मंदिर गर्भगृह में वीआईपी प्रवेश को लेकर उच्चतम न्यायालय का बड़ा फैसला

कहा- ऐसे मुद्दों पर फैसला मंदिर व्यवस्था संभालते वाले लोग करते हैं, ये अदालत का काम नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के उच्चतम न्यायालय ने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में वीआईपी एंट्री के प्रवेश को लेकर की गई याचिका पर बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला देते हुए वीआईपी दर्शन पर रोक लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने साफ कर दिया कि मंदिर में कौन प्रवेश करेगा, यह तय करना अदालत का काम नहीं है।

आपको बता दें कि उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में वीआईपी दर्शन पर रोक लगाने की लंबे समय से मांग हो रही है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि किसी भी मंदिर में वीआईपी दर्शन होंगे या नहीं, इसका फैसला करने का अधिकार अदालत को नहीं है।

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने बिल्कुल साफ करते हुए कहा कि किसी भी मंदिर में वीआईपी दर्शन होंगे या नहीं, इसका फैसला करने का अधिकार अदालत को नहीं है और इस तरह की याचिका को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आपको बता दें कि 3 जजों की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई की है। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। याचिकाकर्ता ने इससे पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए मामले में वीआपी दर्शन पर रोक लगाने की मांग की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में इसे अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए अहम टिप्पणी की है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि धार्मिक रीति-रिवाजों और मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था तय करना ऐसा मामला नहीं है, जिस पर "न्यायालय फैसला करे।" याचिका में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें भगवान महाकाल पर जल चढ़ाने के लिए अतिविशिष्ट हस्तियों को दी जाने वाली प्राथमिकता के खिलाफ आपत्तियां खारिज कर दी गई थीं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि मंदिर प्रबंधन में न्यायालय के हस्तक्षेप की एक सीमा होती है और ऐसे मुद्दों पर फैसला उन लोगों को करना है जो व्यवस्था संभालते हैं। उन्होंने कहा, "वीआईपी प्रवेश की अनुमति होनी चाहिए या नहीं, यह अदालत तय नहीं करेगी। उन्होंने कहा, "अगर हम यह मान लें कि अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) गर्भगृह के भीतर लागू होता है तो लोग अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) जैसे दूसरे अधिकार भी मांगने लगेंगे।

याचिकाकर्ता का कहना था कि महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में वीआईपी लोगों को आसानी से एंट्री मिल जाती है. लेकिन आम जनता को इसका अधिकार नहीं है। उन्हें दूर से ही दर्शन करके वापस लौटना पड़ता है, जो पूरी तरह से गलत है।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में सड़कों पर उतरे सवर्ण समाज के युवा, भरी जोरदार हुंकार

बस्ती **(एजेंसी)**। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नियमों के विरोध में सोमवार को हर्रैया क्षेत्र में छात्रों और सवर्ण समाज के लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। समाजसेवी राहुल तिवारी के नेतृत्व में आरएसएस खंड कार्यवाह मोनू सिंह, स्वयंसेवक दीपांशु सिंह, भाजपा आईटी सेल के सहसंयोजक शिवम सिंह, एलएलबी छात्र भृगुवंश मणि पाण्डेय, शिवेंद्र मिश्र समेत बड़ी संख्या में छात्र और स्थानीय लोग छावनी व मुरादीपुर से पैदल मार्च करते हुए हर्रैया तहसील पहुंचे। पैदल मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि प्रस्तावित नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने वाले हैं। उनका कहना था कि इन नियमों से न सिर्फ छात्रों के भविष्य पर नकारात्मक असर पड़ेगा, बल्कि परंपरागत शिक्षा प्रणाली और सामाजिक संतुलन भी प्रभावित होगा। तहसील परिसर पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि यूजीसी के प्रस्तावित नियमों को तत्काल वापस लिया जाए और छात्रों, शिक्षाविदों व सामाजिक संगठनों से व्यापक संवाद के बाद ही कोई निर्णय लिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शांतिपूर्ण तरीके से निकाले गए इस पैदल मार्च के दौरान प्रशासनिक अमला भी मौके पर मौजूद रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी।

आर्थिक सर्वेक्षण 29 को, 1 फरवरी को बजट किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार हर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को सर्वदलीय बैठक समाप्त होने के बाद बताया कि आर्थिक सर्वेक्षण 29 जनवरी, 2026 को प्रस्तुत किया जाएगा, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट 1 फरवरी, 2026 को प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में 39 विभिन्न राजनीतिक दलों के 51 सदस्यों ने भाग लिया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार की ओर से सभी सदस्यों से मेरा निवेदन है कि हमारी संसदीय लोकतंत्र में हमें जनता की ओर से बोलने, जनता का प्रतिनिधित्व करने और जनता के लिए बोलने के लिए चुना गया है। इसलिए, बोलने के अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए, हमारा यह कर्तव्य भी है कि हम अन्य राजनीतिक दलों के सदस्यों की बात सुनें ताकि हमारी संसदीय लोकतंत्र पूरी जीवंतता के साथ कार्य करती रहे।

रिजिजू ने बताया कि सर्वदलीय नेताओं की बैठक के दौरान कई सदस्यों ने अनेक मुद्दे उठाए। हमने उन्हें नोट कर लिया है, और मैंने सदस्यों से यह भी अनुरोध किया है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान, बहस और चर्चा में विभिन्न मुद्दों को उठाया जा सकता है और उन पर चर्चा की जा सकती है, और बजट के दौरान भी, क्योंकि बजट सत्र का पहला भाग पूरी तरह से राष्ट्रपति को धन्यवाद प्रस्ताव के लिए समर्पित होगा। चूंकि यह बजट सत्र है, इसलिए इस सत्र का मुख्य केंद्र बजट ही होगा।

रिजिजू ने यह भी कहा कि मैं इस मामले को पूरी तरह स्पष्ट करना चाहता हूँ। पिछली बार, कई राजनीतिक दलों, बल्कि सभी विपक्षी दलों ने एसआईआर पर चर्चा की मांग की थी और सरकार ने इसका दायरा बढ़ा दिया था। हमने चुनाव सुधारों का मुद्दा उठाया था, जिसमें एसआईआर का मुद्दा भी शामिल था, और लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में इस पर लंबी और विस्तृत चर्चा हुई थी। अन्य सभी सदस्यों को पर्याप्त समय दिया गया था। वास्तव में, सभी दलों ने आवंटित समय में अपनी चर्चा पूरी करने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी थी। यदि वे फिर से बहस की मांग करते हैं, तो यह अनावश्यक होगा क्योंकि इस पर पहले ही विस्तार से चर्चा हो चुकी है। रिजिजू ने कहा कि नियमों के अनुसार, चर्चा केवल बजट पर ही केंद्रित होनी चाहिए। बजट सत्र की शुरुआत में राष्ट्रपति संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। उसके बाद राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी, जिसमें सभी दल भाग लेंगे...।

शकील अहमद के आरोपों पर बिहार मंत्री दिलीप जायसवाल का बड़ा बयान, 'दोषी बच नहीं पाएगा'

पटना **(एजेंसी)**। बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने मंगलवार को पूर्व कांग्रेसी नेता डॉ. शकील अहमद द्वारा लगाए गए हालिया आरोपों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य में कानून सर्वोपरि है और अगर कोई घटना होती है तो दोषी बच नहीं पाएगा। एएनआई से बात करते हुए जायसवाल ने अहमद के उन दावों के बारे में कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर सुनियोजित हमला किया था, 'ऐसी स्थिति में जब कांग्रेस नेतृत्व पर सवालिया निशान लग गया है, ऐसी घटनाओं का कोई महत्व नहीं रह गया है।' उन्होंने आगे कहा कि कानून का राज है। अगर इस संबंध में कोई घटना होती है, तो दोषी बच नहीं पाएगा।

यह प्रतिक्रिया शकील अहमद द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर लगाए गए कई आरोपों के बाद आई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के सहयोगियों ने उन्हें 'गुप्त रूप से सूचित' किया था कि 27 जनवरी को पटना और मधुबनी स्थित उनके आवासों पर हमले की योजना बनाई गई है। बाद में उन्होंने कथित योजनाओं के सबूत के तौर पर व्हाट्सएप संदेशों के स्क्रीनशॉट साझा किए। अहमद ने मंगलवार को एएनआई से भी इस स्थिति के बारे में बात की और लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व केवल राहुल गांधी तक सीमित है, जिसका अर्थ है कि उन्हीं का पूर्ण नियंत्रण है।

इसके बाद पटना स्थित उनके आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। उन्होंने दावा किया कि कथित हमले की योजना राहुल गांधी के बारे में उनके बयान के कारण बनी। उन्होंने गांधी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कई नेता उनके बारे में नियमित रूप से बयान देते हैं। उन्होंने कहा, 'अमित शाह जी हर दिन राहुल गांधी के बारे में बयान देते हैं। आप उन पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं देते? मैं तो कांग्रेस में भी नहीं हूं।'

यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस से अलग हो चुके शकील अहमद ने 24 जनवरी को राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए उन पर वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने और पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए अहमद ने कहा कि गांधी ने युवा कांग्रेस और एनएसयूआई को एक साथ इसलिए रखा है ताकि वे यही लक्ष्य हासिल कर सकें। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस और एनएसयूआई को एक साथ इसलिए रखा है क्योंकि वे कांग्रेस पार्टी से वरिष्ठ स्थापित नेताओं को बाहर निकालना चाहते हैं और उनकी जगह युवा कांग्रेस के नेताओं और राहुल गांधी की प्रशंसा करने वालों को लाना चाहते हैं।'

भारतीय वायु सेना ने घातक मिसाइलों से लैस अत्याधुनिक लड़ाकू विमान दिखाकर दुष्प्रचार का तगड़ा जवाब दे दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय वायु सेना ने एक ऐसा दृश्य प्रमाण देश और दुनिया के सामने रख दिया जिसने पिछले कुछ समय से चल रही बहस और शंका दोनों को एक झटके में खामोश कर दिया। हम आपको बता दें कि सोमवार को वायुसेना द्वारा जारी वीडियो में घातक मिसाइलों से लैस अत्याधुनिक लड़ाकू विमान दिखाए गए। यह वीडियो उन पाकिस्तानी और पश्चिमी आलोचकों के लिए करारा जवाब है जो लगातार दावा करते रहे कि भारत के पास वह क्षमता ही नहीं थी जिसका उसने 2019 के बालाकोट हमले और पिछले वर्ष के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उल्लेख किया था।

वीडियो में साफ दिखता है कि भारत के बेडे में शामिल फ्रांस से प्राप्त राफेल, सुखोई और स्वदेशी तेजस विमान पूरी तरह सशस्त्र हैं। इनके हार्डप्वाइंट पर लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली मिसाइलें तैनात हैं जिनमें मीटियर और ब्रह्मोस जैसी प्रणालियां शामिल हैं। यह वही हथियार हैं जिनका इस्तेमाल पाकिस्तान के भीतर गहराई तक लक्ष्य भेदने में किया गया था। इस वीडियो के सामने आते ही कई महीनों से चल रहा संदेह अब समाप्त हो चुका है।

हम आपको बता दें कि मीटियर मिसाइल आधुनिक वायु युद्ध की परिभाषा बदलने वाली प्रणाली मानी जाती है। यह दृश्य सीमा से परे मार करने में सक्षम है और एक साथ कई लक्ष्यों पर प्रहार कर सकती है। तेज गति से उड़ने वाले लड़ाकू विमानों से लेकर छोटे ड्रोन और क्रूज मिसाइल तक इसके दायरे में आते हैं। भारी इलेक्ट्रॉनिक बाधाओं के बीच भी यह मिसाइल लक्ष्य को नहीं चूकती। इसकी रेंज दो सौ किलोमीटर से अधिक बताई जाती है और रैमजेट इंजन इसे चार माख से ज्यादा की गति देता है। साथ ही इसका नो एस्केप जोन मौजूदा मध्यम दूरी की मिसाइलों की तुलना में कई गुना बड़ा है।

हम आपको बता दें कि भारत और फ्रांस के बीच 2016 में हुए समझौते के तहत 36 राफेल विमान खरीदे गए थे। इस सौदे में उन्नत मिसाइलें और भारत के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए संशोधन शामिल थे। इसके बावजूद कुछ हलकों में यह संदेह फैलाया गया कि भारत को मीटियर जैसी मिसाइलें वास्तव में मिली भी हैं या नहीं। हालांकि सोमवार को जारी वीडियो ने इन सभी अटकलों को विराम दे दिया।

वीडियो में एक और अहम दृश्य सामने आया जिसमें स्वदेशी तेजस विमान से मीटियर मिसाइल का प्रक्षेपण दिखाया गया। यह संदेश साफ है कि भारत की स्वदेशी और विदेशी दोनों प्रणालियां एक ही स्तर की घातक क्षमता से लैस हैं। इसके अलावा मिराज 2000 विमान भी उसी मिसाइल विन्यास के साथ नजर आए जिनका उपयोग 2019 के बालाकोट अभियान में किया गया था। सुखोई 30 एमकेआई विमानों पर रैम्पेज हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलें दिखाई गईं जिनकी सटीकता पहले ही सिद्ध हो चुकी है।

देखा जाये तो भारत ने बिना किसी शब्द युद्ध के यह दिखा दिया कि उसकी दावेदारी केवल बयान नहीं बल्कि ठोस क्षमता पर आधारित है। खास तौर पर पाकिस्तान के संदर्भ में यह संदेश स्पष्ट है कि भारत की वायु शक्ति अब पुराने खांचे में बंधी नहीं है। वायुसेना का यह कदम केवल एक वीडियो जारी करना नहीं है बल्कि एक सुनियोजित रणनीतिक प्रहार है। वर्षों से भारत की सैन्य क्षमता को कमतर आंकने का जो अभियान चलाया गया था उस पर अब विराम लगना चाहिए। सवाल यह नहीं है कि भारत ने कौन सी मिसाइल कब खरीदी बल्कि यह है कि भारत अब अपनी शक्ति को लेकर झिझक में नहीं है।

बालाकोट और ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत ने बार बार संयम दिखाया लेकिन संयम को कमजोरी समझने की भूल कुछ लोगों ने कर ली। इस वीडियो ने उस भ्रम को तोड़ दिया है। संदेश यह है कि भारत शोर नहीं करता पर जब करता है तो सबूत के साथ करता है। वायुसेना ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि स्वदेशी मंच जैसे तेजस अब केवल प्रतीक नहीं बल्कि वास्तविक युद्ध क्षमता का आधार बन चुके हैं।

देश में है अजीब हालात, सभी के सामने है अपनी पहचान साबित करने की चुनौती : कांग्रेस सांसद इमरान मसूद

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस के स्थानीय सांसद इमरान मसूद ने मंगलवार को कहा कि देश मे अजीबोगरीब हालत पैदा हो गये हैं और हर वर्ग के सामने अपनी पहचान साबित करने की चुनौती खड़ी हो गई है। मसूद ने यहां पत्रकारों से कहा, 'देश मे अजीबोगरीब हालत पैदा हो गये हैं। नागरिक हो, तो नागरिकता साबित करो, मतदाता हो, तो वह साबित करो।' उन्होंने कहा, '' और तो और, अगर आप धर्मगुरू हैं तो वह भी साबित कीजिए, शंकराचार्य हैं तो वह भी साबित कीजिए।' मसूद ने कहा, 'शंकराचार्य का इससे बडा अपमान क्या हो सकता है। साधु-संतों के नाम पर अपनी राजनीति को खड़ा करने का काम करने वालों के शासन काल में सबसे ज्यादा अपमान साधु-संतो का हो रहा है।' मसूद प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को 'शंकराचार्य' की उपाधि का उपयोग करने को लेकर मेला प्रशासन द्वारा जारी नोटिस का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गंगोत्री धाम हिंदुओं का पवित्र स्थल है, वहां पहले से ही कोई मुसलमान नहीं जाता, लेकिन इसके बावजूद पहचान साबित करने जैसी शर्तें लगाकर समाज में जहर धोला जा रहा है। मसूद ने कहा कि हालात ऐसे बना दिये गये हैं कि पहले साबित करो कि तुम हिन्दू हो, तभी मन्दिर जाओगे और इससे पहले कहा जाता था कि नागरिकता साबित करो, लेकिन अब धर्म साबित करने की बात भी हो रही है। मसूद ने आरोप लगाया कि पहले, मस्जिदों-मदरसे, सैकड़ों साल पुरानी दरगाहों पर बुलडोजर चलाये गये और अब मन्दिरों को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शकराचार्य जी खुद बता रहे हैं कि 150 मन्दिर बनारस मे तोड़ दिये गये। सांसद ने सवाल उठाया कि किस आधार पर आप अपने को सनातनी कहते हैं। मसूद ने कहा कि भाजपा नफरत फैलाकर असली मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भाजपा जातियों के बीच टकराव पैदा करने की कोशिश कर रही है, जबकि देश के असली मुद्दों रोजगार, शिक्षा और अर्थव्यवस्था से ध्यान भटकाया जा रहा है।

विधिक साक्षरता शिविर में पॉक्सो, पॉश एक्ट पर दी गई जानकारी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद न्यायालय कौशाम्बी के तत्वावधान में मंगलवार को उदय प्रकाश इंटर कॉलेज सिरसी चरवा, चायल कौशाम्बी में सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा पारित निर्णयों का व्यापक प्रचार-प्रसार, नशा मुक्त एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, शोषण के विरूध अधिकार, पॉश एक्ट व बच्चो के अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि डॉ. नरेन्द्र दिवाकर ने पॉक्सो एक्ट अर्थात यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पर बात करते हुए कहा कि यह अधिनियम जेण्डर न्यूट्रल है, इस अधिनियम में बालक शब्द के तहत लड़का और लड़की दोनों को शामिल किया गया है। इसमें गंभीर मामलों में मृत्युदंड तक की सजा का प्रावधान है। पॉश एक्ट पर बात करते हुए कहा कि यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 यौन उत्पीड़न की शिकार पीड़िता की शिकायतों के लिए एक संरचित शिकायत निवारण तंत्र प्रदान कर कार्यस्थल पर समानता और समावेशिता को बढ़ावा देता है जिससे महिला कर्मचारियों की भागीदारी और उत्पादकता भी बढ़े। शोषण के विरूद्ध अधिकार और बाल अधिकार पर बात करते हुए कहा कि बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई कानूनी प्रावधान हैं। शोषण के विरूद्ध अधिकार किसी भी व्यक्ति को गुलामी और अमानवीय परिस्थितियों से बचाते हैं। शोषण के विरूद्ध अधिकार से जुड़े प्रावधान भारतीय संविधान (अनु. 23 और 24) सहित कई कानूनों में दिए गए हैं। अनैतिक व्यापार अधिनियम 1956, किशोर न्याय अधिनियम (2015), शिक्षा का अधिकार (ऊँ) अधिनियम (2009), बाल श्रम निषेध (संशोधन) अधिनियम (2016), और यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (इध्एए६) अधिनियम (2012), बंधुआ श्रम प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम 1976 तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 2ाँ, 24, और 39 शामिल हैं, जो बच्चों को शिक्षा, शोषण से सुरक्षा प्रदान करते हैं और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करते हैं। पीएलवी ममता दिवाकर ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धापेंशन और निराश्रित महिला पेंशन योजना, दिव्यांग सहायता योजना, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा प्रदत्त सेवाओं आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय कुमार नायब तहसीलदार चायल ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के कमजोर और आर्थिक रूप से अक्षम वर्गों को मुफ्त विधिक सहायता प्रदान करता है, ताकि समानता के आधार पर सबको न्याय मिले। बाल विवाह और नशा जैसी कुप्रथाएं हमारे समाज में व्याप्त गंभीर समस्याएं हैं। सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों और अज्ञानता के कारण बाल विवाह जैसी कुप्रथा का जन्म होता है। इसके उन्मूलन के लिए ही बाल विवाह निषेध अधिनियम बनाया गया। यदि कहीं पर बाल विवाह होते पाया जाय तो कोई भी इसकी सूचना चाइल्ड लाइन नंबर 1098 पर या बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी को जरूर दें। शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत एवं बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की शपथ भी दिलवाई गई। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य ओम प्रकाश धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय प्रबंधक निवास यादव ने दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश, पैरा लीगल वालंटियर ममता दिवाकर, शिक्षकगण श्याम नारायण, पंकज सिंह, पप्पू दिवाकर, सुनील कुमार, दिनेश कुमार, शिव प्रकाश, घनश्याम, शिव शंकर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

आयुष की हत्या के विरोध में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने श्रद्धांजलि सभा का किया आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मंझनपुर चौराहे पर श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व पंकज गामा ने किया है।

ज्ञात हो कि राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन मंझनपुर कौशाम्बी के बैनर तले आयुष केशरवानी पुत्र अशोक केशरवानी निवासी बरगढ़ जिला चित्रकूट के मृत्यु उपरांत श्रद्धांजलि सभा का आयोजन आज मंझनपुर चौराहे पर किया गया है। पंकज गामा नगर संरक्षक, आशीष उर्फ बच्चा चुना नगर प्रभारी, झल्लर चौरसिया नगर अध्यक्ष मंझनपुर, पप्पू चौधरी, रूपेंद्र विश्वकर्मा, दीपक वर्मा उर्फ प्रधान, अमरेश उर्फ कल्लू पंडा उमेश केशरवानी, शैलेन्द्र खरे, सत्यम केशरवानी, अमित जयसवाल अनुज केशरवानी आदि मौजूद रहे। मांग है कि जो भी इस कृत्य में अपराधी शामिल हैं सबको सजा मिले और परिवार को सुरक्षा दी जाए। व परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।

डीएम ने पुलिस लाइन में आयोजित गणतन्त्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में किया प्रतिभाग

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी ने रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित गणतन्त्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग कर झण्डारोहण किया व परेड की सलामी ली तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सभी को गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भारत एक बहुत बड़ा लोकतन्त्र या एक प्राचीन लोकतन्त्र ही नहीं, बल्कि यह लोकतन्त्र की जननी भी है और आधुनिक समय में जब-जब इस देश पर विपदा आई है, तब-तब भारत का संविधान इस विपदा से लड़ने में समर्थ्य रहा है। यही हमारे संविधान की सबसे बड़ी शक्ति है। जब यह देश आजाद हुआ। देश के आजादी के समय के तत्कालीन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल ने कहा था कि यह देश बहुत जल्द ही बिखर जाएगा, लेकिन इस देश का संविधान एवं इस देश के योद्धाओं द्वारा की गई मेहनत के कारण यह देश हर विपत्ति से उठकर अपने सामर्थ्य को हासिल करने की ओर अग्रसर है।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की ओर से विकसित भारत-विकसित उ.प्र. का संकल्प हम लोगों को दिया गया है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए दो पहलू महत्वपूर्ण है-राष्ट्रीय चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण, इन्ही चीजों को अभिभूत करते हुए शासन के मार्गदर्शन में निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग अपने शासकीय सेवा में अपने कर्तब्यों एवं दायित्वों को पूर्ण करने में, अगर कोई भी जरूरतमंद हमारे पास आता है, तो हम अपनी पूरी शक्ति से उसकी हरसम्भव मदद कर सकें, यही हमारी संविधान के प्रति और संविधान निर्माताओं के प्रति सच्ची श्रद्धान्जलि होगी।

प्रोजेक्ट अलंकार व फोरलेन सड़क निर्माण की प्रगति की समीक्षा

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने मंगलवार को कार्यालय कक्ष में प्रोजेक्ट अलंकार एवं प्रयागराज एयरपोर्ट से कौशांबी तक फोरलेन सड़क के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत राजकीय हाईस्कूल/इंटर कॉलेजों में कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान राजकीय हाईस्कूल, अर्का महावीर में कार्य लम्बित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए टीम गठित कर निर्माण कार्यों की जांच कराकर संबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सहायक अभियंता, यूपीसिडको को राजकीय विद्यालयों में बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोनिवि निर्माण खंड से प्रयागराज एयरपोर्ट से कौशांबी तक फोरलेन सड़क के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि संबंधित उप जिलाधिकारी से समन्वय कर भूमि से संबंधित आ रही समस्याओं का समाधान कराते हुए निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण कराई जाय। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं कार्यसंस्था से मेडिकल कॉलेज के हस्तांतरण के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराकर हस्तांतरण कर दिया जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर व ओम प्रकाश सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सीएम डैशबोर्ड पर प्रगति लाओ लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाईः डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज एन.आई.सी. सभागार में सी.एम. डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं/इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं/इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति लाते हुए श्रेणी 'ए' प्राप्त किया जाय। लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला विकास अधिकारी से कहा कि अधिशासी अभियंता, विद्युत एवं एलडीएम से समन्वय कर आ रही समस्याओं का निस्तारण कराते हुए अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने दशमोत्तर छात्रवृत्ति की समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को डाटा अग्रसारित करने का कार्य समयबद्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता, जल निगम को कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 15वां वित्त आयोग के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों में लक्ष्य सापेक्ष अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर जिला पंचायतराज अधिकारी को प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी से कहा कि शासनादेशानुसार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह का आयोजन शीघ्र किया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत प्राप्त न होने पाए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान निर्माण कार्य-पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य, बौद्ध थीम पार्क का निर्माण कार्य, गेट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य, अग्निशमन केंद्र के आवासीय व अनावासीय भवनों का निर्माण कार्य, देवीगंज बाईपास व परसरा बस अड्डा का निर्माण कार्य आदि के लम्बित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराकर हैंड ओवर करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मूरतगंज एवं कड़ा में कराए जा रहे कार्यों को फरवरी माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थी परिषद नें निकाली मोटरसाइकिल रैली

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कौशाम्बी जिले के कार्यकर्ताओं नें जिले के विभिन्न स्थानों पर तिरंगा रैली निकाल कर जिले भर में राष्ट्र भक्ति का संदेश दिया ।

ज्ञात हो कि सिराथू तहसील के कार्यकर्ताओं नें तहसील संयोजक आनन्द सिंह पटेल के नेतृत्व में गुलामीपुर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दुर्गाभाभी की जन्म स्थली सहजादपुर से होते हुवे दुर्गा भाभी सेतु तक तिरंगा रैली निकाली ।मंझनपुर तहसील के टेवा नगर के कार्यकर्ताओं नें टेनशाह आलमाबाद सें टेवां तिराहे तक मोटरसाइकिल तिरंगा रैली

निकालकर युवाओं नौजवानों के अन्दर राष्ट्र भक्ति का संदेश दिया ।जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सहभाग किया । इस दौरान प्रांत सह मंत्री शिवबाबू चौधरी, जिला संगठन मंत्री अश्वनी कुमार सिंह, जिला संयोजक शिवांशु शुक्ला, अनुप पटेल, प्रांत एस एफडी संयोजक सुशील सोनकर, तहसील सह संयोजक दिव्यांश द्विवेदी, नगर मंत्री अमित द्विवेदी, सह मंत्री आयुष सिंह, वंश सिंह, नगर एस एफ डी संयोजक दीपेंद्र पांडेय सहित सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

फूलपुर में दबंग के आगे बेबस पुलिस, एसडीएम के आदेश हवा में, आबादी भूमि पर कब्ज़ा, योगी सरकार के दावों पर सवाल, थाना-112 सब 'मौन'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोसैसीपुर, तहसील हंडिया से एक बार फिर ऐसा मामला सामने आया है, जो उत्तर प्रदेश सरकार की दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मंशा पर ही सवाल खड़े कर रहा है। यहां एक दबंग व्यक्ति पर गांव की आबादी भूमि पर जबरन कब्जा करने का आरोप है, जबकि पीड़ित परिवार दर-दर न्याय की गुहार लगा रहा है और पुलिसष्ठ हमेशा की तरह आंख मूंदे बैठी नजर आ रही है।

गोसैसीपुर ग्राम निवासी मुन्नी देवी पत्नी त्रिलोकी लाल शुक्ला ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर आरोप लगाया कि गांव का ही एक दबंग व्यक्ति आबादी की जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। पीड़ितों का कहना है कि यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि करीब एक साल पहले भी इसी जमीन पर बुलडोजर चलाया गया था। तब यह मामला मीडिया में सुर्खियां बना और तत्कालीन सीओ पंकज लवानिया के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ, आरोपी जेल भी गया।

लेकिन सवाल यह है कि जेल से बाहर आते ही दबंग फिर उसी जमीन पर कैसे पहुंच गया? और उससे भी बड़ा सवाल–पुलिस किसके इशारे पर खामोश है?

त्रिलोकी लाल शुक्ला ने आरोप लगाया कि हाल ही में आरोपी करीब 200 मजदूरों और अपने समर्थकों के साथ पत्थर की बाउंड्री वॉल खड़ी करने पहुंचा। डायल 112 पर कॉल की गई, थाना फूलपुर को सूचना दी गई, लेकिन न 112 हिली, न थाना अध्यक्ष। मानो कानून की गाड़ी का स्टेयरिंग ही कहीं और से पकड़ा गया हो।

मामला जब एसडीएम हंडिया तक पहुंचा तो उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर काम रुकवाया और जांच के साथ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश भी दिए। लेकिन हैरानी की बात यह है कि एसडीएम के आदेश भी थाना फूलपुर के लिए शायद 'सलाह' से ज्यादा कुछ नहीं थे। आरोप है कि थाना अध्यक्ष ने दबंग के दबाव में फिर से काम चालू करवा दिया।पीड़ितों का कहना है कि 26 जनवरी को जब एसडीएम वीआईपी ड्यूटी में व्यस्त थे, उसी दिन मौके का फायदा उठाकर फिर से निर्माण कार्य शुरू कराया गया। सवाल उठता है–क्या कानून भी छुट्टी पर चला गया था?

मुन्नी देवी ने भावुक होकर बताया कि उनका परिवार रिक्शा चलाकर गुजर-बसर करता है, जबकि दबंग अपने पैसे और रसूख के बल पर गरीबों को कुचलने पर आमादा है। त्रिलोकी लाल शुक्ला का आरोप है कि आरोपी पर पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं, इसके बावजूद न गैंगस्टर की कार्रवाई हो रही है और न ही कोई सख्त कदम।

पीड़ितों ने कहा कि जहां एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दबंगों पर बुलडोजर चलवाते हैं, वहीं फूलपुर में दबंग खुद गरीबों की जमीन पर बुलडोजर चला रहा है–और पुलिस तमाशबीन बनी है।

पीड़ित परिवार ने योगी सरकार से मांग की है कि उन्हें सुरक्षा दी जाए, आबादी भूमि की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दबंग को कब्जे से रोका जाए।

फूलपुर में दबंगों ने 26 जनवरी का उठाया फायदा, एसडीएम के आदेश बेअसर

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोसैसीपुर (तहसील हंडिया) में आबादी भूमि पर कब्जे का मामला एक बार फिर सामने आया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि एक दबंग व्यक्ति जबरन जमीन पर निर्माण करा रहा है, जबकि पुलिस और डायल-112 पूरी तरह मौन हैं।

ग्राम निवासी मुन्नी देवी पत्नी त्रिलोकी लाल शुक्ला ने प्रेस वार्ता में बताया कि करीब एक साल पहले भी इसी जमीन पर कब्जे का प्रयास हुआ था, तब मुकदमा दर्ज हुआ और आरोपी जेल गया। जेल से बाहर आते ही आरोपी फिर उसी जमीन पर कब्जा करने पहुंच गया।

आरोप है कि हाल ही में करीब 200 मजदूरों के साथ बाउंड्री वॉल खड़ी करने का प्रयास किया गया। सूचना के बावजूद न थाना फूलपुर सक्रिय हुआ, न 112 मौके पर पहुंची। मामला एसडीएम हंडिया तक पहुंचा तो उन्होंने निर्माण रुकवाकर कार्रवाई के निर्देश दिए, लेकिन आरोप है कि थाना अध्यक्ष ने दबंग के दबाव में फिर काम शुरू करवा दिया।

कलेक्ट्रेट में फहराया तिरंगा, डीएम ने दिलाई शपथ

कौशाम्बी। 77वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कलेक्ट्रेट प्रांगण में झण्डारोहण किया एवं कलेक्ट्रेट के अधिकारियों/कर्मचारियों को संविधान में उल्लिखित संकल्प की शपथ दिलाई।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने उदयन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महॉत्मा गॉधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर मार्ल्यापण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों-पार्वती देवी, पवन सिंह, अरिमर्दन सिंह, सुनील कुमार, अक्षय कुमार एवं गंगा प्रसाद को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर व ओम प्रकाश एवं अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आकाश सिंह व अजेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

गली-गली में नारा है, हिन्दुस्तान हमारा है!
चित्रकूट आंख जांच केंद्र की ओर से जनपदवासियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, एवं जनप्रतिनिधियों तथा इष्ट मित्रों को नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
डा. हरीओम
चित्रकूट आंख जांच केंद्र प्रभारी
नगर पंचायत सिराथू
नगर पंचायत पूरब
पश्चिमशरीरा
देवी गंज बाजार, कडा, कौशाम्बी

स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

कौशाम्बी। 26 जनवरी 2026 को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय कौशाम्बी, मे 77 वा गणतंत्र दिवस पूर्ण गरिमा, अनुशासन एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान परिसर में प्रधानाचार्य डा0 हरिओम कुमार सिंह द्वारा ध्वजारोहण के साथ किया गया। ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया तथा महाविद्यालय परिसर में प्रभात फेरी निकली गयी। इस अवसर पर संस्थान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें एम0बी0बी0एस0 छात्र-छात्राओ द्वारा देशभक्ति से परिपूर्ण प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशप्रेम की भावना को सुदृढ़ किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र/पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। तथा एमबीबीएस के सर्वश्रेष्ठ छात्र-छात्राओ को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया प्रधानाचार्य द्वारा उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए अन्य कर्मचारियों को भी कर्तव्यानिष्ठा, ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। समारोह के अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। तदोपरांत सम्बन्धित चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को फल वितरण किया गया।

वन टीम-वन मिशन के तहत सैन्य व सिविल चिकित्सा संस्थानों का संयुक्त आपदा अभ्यास

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आपदा की स्थिति में त्वरित, समन्वित और प्रभावी चिकित्सा प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से Military Hospital Prayagraj, SRN Hospital Skeb Motilal Nehru Medical College के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को एक व्यापक डिजास्टर मैनेजमेंट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास ऐं‍ अस्पताल स्थित ऐँ‍ एवं डिजास्टर वार्ड में संपन्न हुआ।

वन टीम-वन मिशनः निर्बाध सिविल-मिलिट्री समन्वय से जीवन रक्षा' थीम पर आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य सैन्य एवं नागरिक चिकित्सा तंत्र के बीच आपसी तालमेल को और अधिक सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में मिलिट्री हॉस्पिटल प्रयागराज के कमांडेंट एवं उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल की गरिमामयी उपस्थिति रही। एसआरएन अस्पताल एवं एमएलएन मेडिकल कॉलेज की ओर से प्राचार्य डॉ. वी.के. पांडे, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. (मेजर) जितेंद्र शुक्ला, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. आर.के. तिवारी एवं डॉ. मुक्तेश सिंह सहित वरिष्ठ चिकित्सक, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल कर्मी अभ्यास में सम्मिलित रहे।

मॉक ड्रिल के दौरान मास कैजुअल्टी ट्रायेज, आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल, संसाधनों की त्वरित तैनाती, अंतर-एजेंसी संचार तथा समन्वित मरीज प्रबंधन जैसी अहम प्रक्रियाओं का व्यावहारिक परीक्षण किया गया। विशेष रूप से रेजिडेंट डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की सक्रिय भागीदारी ने फील्ड-लेवल तैयारियों को मजबूती प्रदान की।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. वी.के. पांडे ने कहा कि आपदा जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए ऐसे संयुक्त अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं। इससे सभी स्तरों पर कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका स्पष्ट होती है और टीम भावना को बल मिलता है। वहीं डॉ. (मेजर) जितेंद्र शुक्ला ने कहा कि सैन्य और नागरिक चिकित्सा संस्थानों के बीच इस प्रकार का समन्वय वास्तविक आपदा की स्थिति में जान-माल की क्षति को न्यूनतम करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। नियमित मॉक ड्रिल से प्रतिक्रिया समय और उपचार क्षमता दोनों में उल्लेखनीय सुधार होता है।

हर देशवासी को हो ये सपना, सुन्दर हो भारत देश अपना!
सभी नगरवासियों एवं देशवासियों को गणतंत्र की हार्दिक शुभकामनाएं
अधिशासी अधिकारी
अमित कुमार सिंह
वरिष्ठ लिपिक
कुलदीप लाल
कम्प्यूटर आपरेटर,
विजय गुप्ता

ममता कुलकर्णी किन्नर अखाड़े से निष्कासित, स्वामी अविमुक्तेश्वरनंद को लेकर दिया था बयान

आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अखाडे की बैठक के बाद किया कार्रवाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज / गुजरात। किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अखाड़े की महामंडलेश्वर यामाई ममता नंद गिरि (ममता कुलकर्णी) को अखाड़े से आज किन्नर अखाडा से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने वीडियो बनाकर सार्वजनिक करते हुए बताया कि अखाड़े के पदाधिकारी से बैठक करके निर्णय लिया है कि यामाई ममता नंद गिरि का किन्नर अखाड़े से अब आज से कोई संबंध नहीं है। वह अखाड़े की कोई भी अधिकारी या सदस्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किन्नर अखाड़ा में महिला भी हैं पुरुष भी हैं किन्नर भी हैं। हम किसी तरह का विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि की मौनी अमावस्या के दिन जिस तरह से बटुक ब्राह्मणों का शिखा पकड़कर पीटा गया इससे हमारी भी नाराजगी है और सनातन धर्म पर कुठाराघात हुआ है।

उल्लेखनीय है कि तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ-2025 के दौरान 26 जनवरी को किन्नर अखाडा में प्रसिद्ध अभिनेत्री ममता

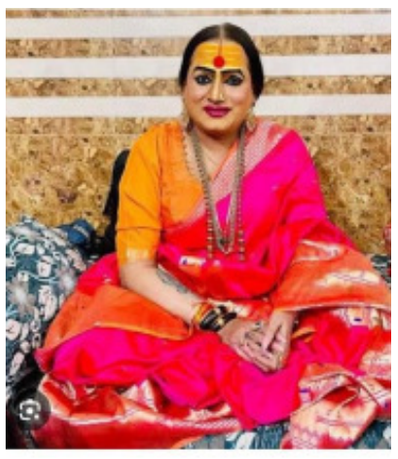

कुलकर्णी को महामण्डलेश्वर बनाया जिस पर काफी बवाल मचा था।

माघ मेला -2026 के दौरान मौनी आमावस्या पर स्नान के पहले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का प्रशासन - पुलिस से विवाद के बाद पुलिस ने बटुको से मारपीट कर लिया था। इस पर नाराज होकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने त्रिवेणी मार्ग पर लगे शिविर के बाहर 10 दिन से बैठे है।

किन्नर अखाडा की महामण्डलेश्वर स्वामी ममतानंद गिरि (ममता कुलकर्णी) ने शंकराचार्य से दो सवाल किए थे। पहला कि उन्हें शंकराचार्य किसने बनाया और दूसरा करोड़ों की भीड़ में पालकी लेकर निकलने की क्या जरूरत थी? ममता कुलकर्णी ने यह भी कहा था कि शंकराचार्य की वजह से उनके शिष्यों को पिटाई झेलनी पड़ी। अगर स्नान नहीं करना था तो पालकी से उतरकर पैदल जाकर स्नान किया जा सकता था।

गुरु होने का अर्थ जिम्मेदारी से भरा आचरण होता है ना कि ऐसी जिद जिसकी कीमत शिष्यों को चुकानी पडी, इसी बयान के बाद किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने अखाड़े की बैठक कर निष्कासन की कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी यामाई ममतानंद गिरि ने अंडर वर्ल्ड के दाउद इब्राहिम को लेकर बयान दिया था जिस पर किन्नर अखाड़ा को काफी किरकिरी का सामना करना पडा था।

यूजीसी को सरकार लें तुरंत वापस समाज को बांटने का काम ना करें सरकार

माघ मेला में कल्पवास करने वाले संत, महात्माओं ने केन्द्र सरकार से किया मांग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। त्रिवेणी के तट पर चल रहे माघ मेले में संत, महात्माओं ने केन्द्र सरकार के यूजीसी को शीघ्र वापस लेने की आज मांग किया है। संत, महात्माओं का कहना है कि सरकार के यूजीसी को लागू करने से जहां सामान्य वर्ग की प्रतिभाएं प्रभावित होगी वही समाज में विघटन बढेगा जो देश की एकता और अखण्डता के लिए कुठाराघात साबित होगा, ऐसे में केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह यूजीसी को तुरंत वापस लें जिससे कि सामान्य वर्ग के आक्रोश को रोका जा सके। माघ मेला के परशुराम राम परिषद अन्नपूर्णा मार्ग सेक्टर - 6 में आज शाम संत, महात्माओं की प्रेसवार्ता हुई जिसमें वक्ता / मुख्य अतिथि जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महराज, मद जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्या शांडिल्य जी महराज श्रृंगवेरपुर धाम और महंत चन्द्र देव जी महाराज सच्चा आश्रम सहित अन्य संतगण शामिल हुए। संतों ने कहा कि केन्द्र सरकार को ऐसा कोई भी विवादित कदम नही उठाना चाहिए जिससे समाज के लोग प्रभावित हो और एक विशेष वर्ग में तनाव का माहौल बने, जिस तरह से पहले चल रहा था उसी तरह से चलने देना चाहिए था।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महराज ने कहा कि सरकार को समाज को लेकर चलना चाहिए ना कि समाज को तोडने और विघटित करने का काम करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार यूजीसी को लाकर समाज में कौन सा संदेश देना चाहती है जबकि सरकार में बैठे लोग भी विरोध कर रहे है।

श्रीमद जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्या शांडिल्य जी महराज ने कहा कि सरकार सामान्य वर्ग पर निशाना साधकर समाज को क्या और कैसा संदेश देना चाहती है, उसको स्पष्ट करें। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम उसके लिए कितना घातक होगा वह सोच नही सकती है, सामान्य वर्ग के लोग सडको पर आ गये है और सरकार का सब तरीके से विरोध कर रहे है इससे जहां सरकार की छवि को नुकसान हो रहा है वही आगामी विधान सभा और लोकसभा के चुनाव में भारी क्षति होगी।

दण्डी नगर, ऋषिकेश आश्रम में गणतंत्र दिवस पर फहराया गया तिरंगा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के सेक्टर छह ओल्ड जीटी रोड पर स्थित नागेश्वर धाम में गणतंत्र दिवस पर धूमधाम से तिरंगा आज फहराया गया। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने सभी को राष्ट्र धर्म का संदेश देते हुए एकता के सूत्र में बंधे रहने और देश के विकास में योगदान देने की बात कही। अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज ने कहा कि बहुत संघर्षो के बाद आजादी मिली है ऐसे में हमें और आपको इस आजादी को ऐसे बनाए रखते हुए विकास के पथ पर चलना है।

इस दौरान अखिल भारतीय दण्डी सन्यासी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज, नागेश्वर धाम शिविर के व्यवस्थापक आचार्य धनंजय स्वरूप ब्रह्मचारी सहित बडी संख्या में दण्डी संत, शिष्य ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए। त्रिवेणी मार्ग पर स्थित जगदगुरू स्वामी कृष्णाचार्य महराज के शिविर में ध्वजारोहण हुआ। जगदगुरू स्वामी कृष्णाचार्य महराज ने सभी को मिलकर देश को मजबूत करने और विकास में योगदान पर जोर दिया। उन्होने सभी से कहा कि राष्ट्र धर्म पहले है और सब कुछ बाद में क्योकि जब देश ही नही रहेगा तो अन्य कुछ भी नही। इस दौरान प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य गोपाल महराज, मोहन जी सहित बडी संख्या मे शिष्य और कल्पवासी मौजूद थे।

परमहंस आचार्य तपस्वी छावनी ने किया डीपी फार्मेसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर के रामनगर स्थित डीपी फार्मेसी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर का उद्घाटन आज 108 परमहंस आचार्य तपस्वी छावनी अयोध्या जी अयोध्या ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अस्पताल फल-हुल यही मेरी कामना है। उनका कहना था कि रामनगर जैसे पिछड़े इलाके में इस तरह का अस्पताल खोलने लोगों के लिए एक सौगात से काम नहीं है। कॉलेज के प्रबंधक डॉ देवेंद्र पांडे ने कहा कि यहां मरीजों को बेहतर सुविधा दिलाना ही इस अस्पताल की प्राथमिकता में से एक है। इस मौके पर आयोजित अखंड रामायण पाठ का समापन भी परमहंस आचार्य अयोध्या जी अयोध्या ने किया। अस्पताल के उद्घाटन के करने के बाद उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया और यहां की सुविधाओं को दिखा। इस मौके पर गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने सुनी फरियाद

प्रयागराज। नगर निगम में आज सम्भव सुनवाई के दौरान नगर आयुक्त, सीलम साईं तेजा ने सुनी फरियाद में सुनवाई के दौरान पार्षदों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को दर्ज कराया। नगर आयुक्त ने कहा कि समस्याओ का त्वरित निस्तारण कराया जाए।

नगर आयुक्त आईएएस सीलम साईं तेजा ने आज दिनांक 27 जनवरी 2026 मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान शिकायत ले कर आये हुए फरियादियों की शिकायतो को भी सुना गया। इस जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश शिकायतें अतिक्रमण, जनसुनवाई के दौरान तेजा ने आम नागरिकों की समस्याएं न केवल ध्यानपूर्वक सुनीं, जनसुनवाई में आई शिकायतें पेयजल तथा सड़क-नाली निर्माण तथा अतिक्रमण आदि से जुड़ी रहीं।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पेयजल तथा नालों और नालियों की सुरक्षा की जानकारी ली साफ-सफाई तथा जाम नालियों जोनल कार्यालय के सभी पार्षदगण के साथ नगर आयुक्त द्वारा बैठक की गयी इस दौरान शहर में विभिन्न स्थानों चबूतरे, पेयजल, शौचालय/यूरिनल तथा शेड आदि की व्यवस्थाओं पर सुझाव लिए गये। प्रयागराज के वी0आई0पी0क्षेत्र में क्यूआरटी0 टीम की व्यवस्था किये जाने का अनुरोध किया जिससे साफ-साफई मार्ग प्रकाश, मलवा, अतिक्रमण जैसी समस्या को तत्काल निस्तारण का आदेश कर्मचारियों को दिया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देवेश मोहन दीक्षित की घोषणा

एआई मॉडल बेस पर एजुकेशन, डिजिटल लाइब्रेरी, डिजिटल लैब क्रिकेट एंड म्यूजिक अकैडमी, मार्शल आर्ट अकादमी का होगा संचालन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एसएमसी स्कूल, घूरपुर में आज भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साथ मनाया गया। पूरा विद्यालय परिसर तिरंगे के रंगों में सराबोर नजर आया, जहाँ छात्रों और शिक्षकों ने एकजुट होकर भारतीय संविधान की गरिमा को नमन किया।

इस गौरवशाली अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती मीता अग्रवाल, प्रबन्ध निदेशक देवेश मोहन दीक्षित ने विद्यालय के प्रबन्ध समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ भव्य गणेश वंदना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

प्रबन्ध निदेशक देवेश मोहन दीक्षित जी ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के दिन हम अपने देश के संविधान की महत्ता को याद करते हैं जिससे हमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाई-चारे के मूल्यों पर आधारित एक मजबूत राष्ट्र बनाने की प्रेरणा मिलती है। आइये हम सभी मिलकर देश की प्रगति और विकास में अपना योगदान दें और एकता, समृद्ध की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होने अभिभावकों से संवाद करते हुए कहा कि विद्यालय में सारे कक्षाओं में ए.आई. पद्धति शिक्षण में शामिल किया जायेगा। नये सत्र में डिजिटल लाइब्रेरी, डिजिटल लैब, क्रिकेट, मार्शल आर्ट व संगीत एकेडमी सभी छात्रों हेतु प्रारम्भ किया जायेगा।

प्रत्येक छात्र को किसी न किसी विधा में पारंगत कर वैश्विक स्तर के लिए तैयार किया जायेगा। इस माध्यम से हमारे विद्यालय के सभी छात्रों को अपने सर्वांगीण विकास के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किए गए, जिनमें भविष्य के नागरिकों के उत्तरदायित्वों पर प्रकाश डाला गया। नन्हे सितारों की ऊर्जाः प्री-प्राइमरी के नन्हे छात्रों ने अपनी मासूम प्रस्तुतियों से सबका दिल जीत लिया, वहीं जोश से भरे जुम्बा सत्र ने छात्रों की शारीरिक चुस्ती-फुर्ती का शानदार प्रदर्शन किया।

कलात्मक भव्यताः विद्यार्थियों द्वारा एक जीवंत फैशन शो और वरिष्ठ छात्रों द्वारा लयबद्ध नृत्यों की श्रृंखला पेश की गई, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पंडिला में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

डीआईजी धीरज कुमार बोले–वर्दी अधिकार नहीं, संविधान से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पंडिला में सोमवार को गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, गरिमा और अनुशासन के साथ मनाया गया। ग्रुप सेंटर स्थित क्वार्टर गार्ड पर डीआईजी ग्रुप सेंटर धीरज कुमार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों, जवानों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए संविधान के महत्व और वर्दीधारी बलों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।डीआईजी धीरज कुमार ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि संविधान के आदर्शों पर चलने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 1947 में आजादी मिलने के बाद देश को एक मजबूत और सुव्यवस्थित दिशा देने के लिए संविधान बनाया गया। 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व हमें यह सोचने का अवसर देते हैं कि हमने अब तक क्या हासिल किया और आगे की दिशा क्या होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आत्मा और अस्मिता का प्रतीक है। वर्दीधारी बलों के लिए इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। वर्दी केवल अधिकार और अनुशासन का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति संवेदनशीलता, सेवा और जिम्मेदारी का भी संदेश देती है।डीआईजी ने जवानों से अपील की कि वे संविधान में बताए गए मार्ग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि निजी हितों से ऊपर उठकर नियमों और संविधान के अनुरूप कार्य करना समय की मांग है। इससे न केवल संगठन मजबूत होगा, बल्कि समाज और देश को भी वास्तविक लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे अवसर आत्मचिंतन और नई शुरुआत के लिए होते हैं। यहां से ली गई सकारात्मक सोच और संकल्प को पूरे वर्ष व्यवहार में उतारने की जरूरत है। अच्छे कार्यों को और अधिक गति देने से सीआरपीएफ की कार्यशैली और छवि दोनों सशक्त होंगी।डीआईजी धीरज कुमार ने यह भी कहा कि सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों और कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सरकार द्वारा पदक और सम्मान दिया जाना गौरव की बात है। इससे बल का मनोबल बढ़ता है और राष्ट्रसेवा की भावना और मजबूत होती है।नव-नियुक्त जवानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कई जवानों के लिए यह पहला गणतंत्र दिवस है। ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें सही मार्गदर्शन दें और संविधान व राष्ट्रसेवा के मूल्यों से जोड़ें। यह केवल औपचारिक दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ने की बड़ी जिम्मेदारी है।समारोह के दौरान परेड, राष्ट्रगान और अनुशासित आयोजन ने उपस्थित जनसमूह में देशभक्ति की भावना भर दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने संविधान के मूल्यों पर चलने और राष्ट्रसेवा के संकल्प को दोहराया इस मौके डीआईजी रेंज सुनीत कुमार राय डीआईजी मेडिकल डॉक्टर विनय अग्रवाल कमांडेंट योगेश पुरोहित 224 वी आई पी बटालियन डॉ विपुल कुमार डॉ शंकर लाल चाहर डॉ गौरी बी सी यादव द्वितीय कमान अधिकारी अमित सक्सेना अशोक कुमार यादव तरुण कुमार उप कमांडेंट श्रीनिवास राकेश त्रिपाठी रीना घोष निरंजन सैनी के के झा धनंजय यादव सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार दिनेश चंद्र मिश्र विवेक कुमार समय जैन प्रवेश कुमार शर्मा सहित तमाम अधिकारी जवान कार्मिक मौजूद रहे।

धूमधाम से इफको फूलपुर में 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको घियानगर फूलपुर में 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रगान गाया गया। न्यूजेन सुरक्षा गार्ड के जवानों, केन्द्रीय विद्यालय स्कॉउट गाइड के बच्चों ने मार्च पास्ट किया तथा महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) को सलामी दी गई। सीताराम इंटर कालेज स्कॉउट बैण्ड ने देशभक्ति की धुनों पर शानदार प्रस्तुति दी। महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह ने कहा कि हमारा संविधान हमारे अधिकार देने के साथ हमारे कर्तव्य भी तय करता है। हमारा दायित्व है कि हम अपने कर्तव्यों का इमानदारी से निर्वहन करें तथा देश की प्रगति में योगदान दें। सहकारिता के माध्यम से हम राष्ट्र सेवा में क्या योगदान दे सकते है, यह महत्त्वपूर्ण है। प्रबंध निदेशक के.जे.पटेल ने अपने प्रथम आधिकारिक दौरे के दौरान इफको फूलपुर इकाई में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रबंध निदेशक के.जे.पटेल जी का कुशल मार्गदर्शन व नेतृत्व हमें प्रेरणा देता है। इफको फूलपुर इकाई को गत वर्ष सीआईआई अवॉर्ड, सेफ्टी अवॉर्ड तथा पर्यावरण पुरस्कार प्राप्त हुए।ओम बाल विद्या मंदिर तथा केन्दीय विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। सुझाव योजना के अंर्तगत विजेता कर्मचारियों तथा खेलकूद प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नैनो उर्वरकों का स्वेच्छा से उपयोग करने वाले किसानों जिन्हें सकारात्मक परिणाम मिला तथा बेहतर फसल हुई है को सम्मानित किया गया। महिला चेतना क्लब की अध्यक्षा सरिता सिंह व अन्य महिला सदस्यों द्वारा आनंद मेले का आयोजन किया जिसमें विभिन्न व्यंजन-पकवान आदि की व्यवस्था की गई थी जिसका घियानगर परिवार के सदस्यों ने आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन रेखा मिश्रा ने किया।

रोटरी इलाहाबाद द्वारा मनाया गया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद के अध्यक्ष राजीव रंजन अग्रवाल ने 77वें गणतंत्र दिवस डॉ. अभिलाषा चतुर्वेदी के अस्पताल में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजीव रंजन अग्रवाल ने क्लब के सदस्यों एवं उपस्थित अतिथियों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात ललित जायसवाल द्वारा राष्ट्रीय गान का भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी जनों के प्रति प्रेसिडेंट ने आभार व्यक्त किया ।कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में बच्चों से सुंदर गायन प्रस्तुति करवाई गई। क्लब सदस्य अनूप अग्रवाल ने भी सिंथेसाइज़र पर मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। सभी बच्चों को चाकलेट दी गई।अंत में अजय अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम के उपरांत सभी ने नेत्तराम के दम आलू, खस्ता, जलेबी, लड्डू, चाय एवं फ्रूटी का आनंद लिया। इस अवसर पर राजीव गुप्ता, अजय अग्रवाल, देश दीपक आर्य, पीयूष अग्रवाल, ललित जायसवाल, अलोशी अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

नागेश्वर धाम से बडी संख्या मे दंडी सन्यासियों ने शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज के नेतृत्व में किया लक्ष्य ज्योति दान

विश्व में सनातन धर्म की हो स्थापना, देश बने गौरवशाली : स्वामी महेशाश्रम महराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम की रेती पर लगे माघ मेले में मंगलवार को नागेश्वर धाम शिविर से बडी संख्या मे दंडी सन्यासियों ने शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज के नेतृत्व में गंगा तट पर पहुंचकर मां गंगा की पूजा-अर्चना की। इस मौके पर दंडी सन्यासियों और कल्पवासियों ने लक्ष्य ज्योति दान भी किया। संतों और कल्प वासियों ने मां गंगा की भव्य आरती की। मां गंगा को साक्षी मानकर दंड़ी सन्यासियों और श्रद्धालुओं ने राष्ट्र और देश वासियों की रक्षा का भी संकल्प लिया। दंडी सन्यासियों ने मां गंगा से लोक मंगल और विश्व कल्याण की कामना की। इसके साथ ही वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय संस्कृति के तहत दंड़ी सन्यासियों ने पूरे विश्व में शान्ति स्थापित हो इसके लिए भी मां गंगा से प्रार्थना। संतों ने देश की उन्नति और देश में साम्प्रदायिक सौहार्द बना रहे इसके लिए भी मां गंगा से कामना की। दंडी सन्यासियों ने कहा है कि संगम की रेती पर पौष पूर्णिमा के पर्व से संकल्प लेकर कल्पवास का व्रत सकुशल सम्पन्न हो रहा है। कल्पवास के संकल्प के दौरान अगर जाने अनजाने उनसे कोई गलती हुई है तो उसके लिए ज्योति दान कर मां गंगा से प्रायश्चित और क्षमा याचना की गई है। इस मौके पर अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महाराज ने कहा है कि पूरे विश्व में सनातन धर्म की स्थापना हो और हमारा देश गौरवशाली बने। उन्होंने कहा कि सनातन की धर्म ध्वजा ऐसे ही फहराती रहे और हमारा देश विश्व गुरु बने। इस दौरान अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्मश्रम महराज, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पीठाधीश्वर रामाश्रम शास्त्री स्वामी, आचार्य धनंजय स्वरूप ब्राह्मचारी, आचार्य कपिल शुक्ल सहित बडी संख्या में दण्डी संन्यासी और शिष्य शामिल हुए।

सम्पादकीय

मनोबल की नांव है जीवन के तूफानों में सफलता का एकमात्र आधार

जीवन एक अथाह समुद्र के समान है- कभी शांत, कभी उग्र। जीवन में परिस्थितियों की लहरें जब उठती हैं तो मनुष्य के भीतर छिपे भय, आशंकाएं और अनिश्चितताएं सतह पर आ जाती हैं। ऐसे प्रतिकूल समय में जो एकमात्र साधन हमें डूबने से बचाए रखता है, वह है मनोबल। मनोबल दरअसल उस नौका की तरह है जो भयंकर तूफानों के बीच भी हमें दिशा देती है, संतुलन सिखाती है और किनारे तक पहुंचने की उम्मीद बनाए रखती है।

साधन अल्प और अपर्याप्त हों, परिस्थितियां विपरीत हों तथा भविष्य धुंधला दिख रहा हो, फिर अगर मनोबल सुदृढ़ है, तो यात्रा की सफलता सुनिश्चित है। मनोबल कोई जन्मजात उपहार नहीं है, बल्कि यह अनुभवों, विश्वासों और मूल्यों से निर्मित एक जीवंत शक्ति है। यह आत्मविश्वास से थोड़ा-सा अलग है, लेकिन उसके साथ गहराई से जुड़ा है।

आत्मविश्वास अक्सर क्षणिक उपलब्धियों से पोषित होता है, जबकि मनोबल दीर्घकालिक धैर्य, संकल्प और आशा से निर्मित होता है। जब पराजय सामने खड़ी हो, तब क्षण भर के लिए आत्मविश्वास तो डगमगा सकता है, लेकिन मनोबल हाथ थामे रखता है और कहता है। आज प्रतिस्पर्धा की तीव्रता, सूचना का अतिभार, सामाजिक तुलना और त्वरित सफलता के दबाव ने मन को अस्थिर बना दिया है।

असफलता को जीवन का स्वाभाविक पड़ाव मानने के बजाय उसे यात्रा का अंत समझ लिया जाता है। इसलिए मनोबल की नौका बार-बार डगमगाती है। तूफान तो आएंगे ही। प्रश्न यह है कि हमारे मनोबल की नौका कितनी मजबूत है। जिसके जीवन में उद्देश्य सुस्पष्ट होता है, उसके लिए बड़ी से बड़ी कठिनाइयां और विषम परिस्थितियां भी अर्थपूर्ण हो जाती हैं। निश्चित और दिशायुक्त उद्देश्य संघर्ष को भी निशि्चत दिशा प्रदान करता है।

उद्देश्य कोई बहुत विशाल लक्ष्य ही हो, यह आवश्यक नहीं है। उद्देश्य के रूप में ईमानदारीयुक्त श्रम, सेवा-भाव या आत्म-विकास का संकल्प भी हो सकता है। दूसरा महत्त्वपूर्ण आधार है अनुशासन और नियमितता। मनोबल आकस्मिक प्रेरणा से नहीं, बल्कि सतत और नियमित अभ्यास से सुदृढ़ होता है। समय पर उठना, कार्य को टालने की प्रवृत्ति से बचना तथा छोटे-छोटे लक्ष्यों को पूरा करना- ये सब मन के भीतर विश्वास का निर्माण करते हैं।

प्रत्येक कृतपूर्ण लघु लक्ष्य मनोबल की नौका में एक मजबूत पटरा जोड़ देता है। तीसरा आधार है- सकारात्मक संवाद। हम स्वयं से क्या कहते हैं, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नकारात्मक आत्मसंवाद मनोबल को भीतर से खोखला कर देता है। इसके विपरीत, यथार्थवादी और आशामय संवाद, जो कठिनाइयों को अंगीकार करते हुए समाधान खोजता है, मनोबल की नौका के लिए पतवार की भूमिका अदा करता है।

एक बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि यहां विवेकरहित आशा नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण तथा उद्देश्यपरक आशा की बात है।चौथा आधार है- परस्पर सहयोग, समन्वय और संबंध। मनोबल की नौका दरअसल एक पतवार से नहीं चलती। इसको गति प्रदान करने के लिए अनेक पतवारों का होना अनिवार्य है। परिवार, मित्र, समाज और सहकर्मी- ये सभी हमारे मनोबल की नौका के सहयात्री हैं।

संकट में साझा किया गया दुख परिमाण में आधा रह जाता है और साझा की गई आशा परिमाण में दोगुनी हो जाती है। समाज में संवाद और संवेदना का अभाव मनोबल को कमजोर करता है, इसलिए स्वस्थ संबंधों का निर्माण नितांत आवश्यक है। धैर्य व्यक्ति को समय के साथ तालमेल बिठाकर चलना सिखाता है, नौका को लहरों के साथ संतुलन में रखता है। धैर्य का अर्थ निष्क्रियता नहीं, निरंतर, लेकिन बिना विचलित हुए शांतिपूर्वक प्रयत्न है।

यह एक ऐसा अमूल्य गुण है जो व्यक्ति को थकान के क्षण में भी उत्साहपूर्वक एक कदम और बढ़ाने की शक्ति देता है। आध्यात्मिकता भी मनोबल की नौका को आवेग प्रदान करती है। यहां आध्यात्मिकता से आशय किसी संकीर्ण धार्मिक अर्थ में नहीं, बल्कि जीवन के व्यापक अर्थ-बोध के रूप में है। जब व्यक्ति अपने जीवन को किसी बड़े उद्देश्य से जोड़ता है, तब छोटी असफलताएं उसे तोड़ नहीं पातीं।

उद्देश्य की ओर देख कर ही मनोबल की दिशा तय होती है। बिना उद्देश्य के मनोबल क्षणिक एवं अस्थायी होता है, जबकि उद्देश्य के साथ वह दीर्घकालिक रूप ग्रहण कर लेता है। मनोबल की नौका की गतिशीलता को बनाए रखने के लिए स्वयं की देखभाल अनिवार्य है। शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, पर्याप्त विश्राम और ध्यान- ये सभी मन के महासागर में उठने वाली लहरों को शांत करते हैं। थका हुआ मन छोटी-सी चुनौती में भी घबरा जाता है, जबकि संतुलित मन बड़े से बड़े संकट का बखूबी सामना कर सकता है।

ट्रंप या पुतिन नहीं, हमारी सोच है परेशानियों की वजह जिस रास्ते पर दुनिया चल रही है, खतरनाक है वह

दुनिया संकट के मुहाने पर है। इसका कारण ट्रंप और पुतिन नहीं, हम स्वयं हैं। भौतिकता हमें इतनी रास आने लगी है कि हम उसका गुलाम बनने में अपनी सफलता मान रहे हैं। और यही 'गुलामी' हमें व्यक्तिवादी, मानसिक रूप से आलसी बनाती है और किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से रोकती है। इसी भौतिकता केंद्रित संस्कृति से उपजी भिन्न राजनीतिक संस्कृति को हम नापसंद तो करते हैं, पर नकारने की स्थिति में नहीं होते हैं। ट्रंप का अमेरिकी लोकतंत्र में फिर से उदय यही प्रमाणित करता है।

विकसित लोकतंत्र का दावा करने वाले देश के शीर्ष पर बैठे राजनेता मध्ययुगीन राजाओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। ताकत की भाषा ने तर्क की भाषा को पूरी तरह विस्थापित कर दिया है। ट्रंपवाद का मतलब है 'जिसकी लाठी उसकी भैंस'। यह कोई कूटनीति नहीं है, बर्बर मध्ययुगीन संस्कृति है। युद्ध, मारकाट, चेतावनी, धमकी, अमर्यादित भाषा कथित विकसित लोकतंत्र के राजनयिकों का चरित्र हो गया है और हम उसे नियति मानकर स्वीकार कर रहे हैं।

प्रतिकार, संशोधन या असहमति का संगठित स्वर अंकुरित होने से पूर्व ही समाप्त हो जाता है। ऐसा नहीं है कि इन समस्याओं के बारे में लोग नहीं जानते हैं। पर समाधान के लिए मंथन तो दूर, पहल भी नहीं हो रही है।

समाधान का सूत्र गणितीय नहीं होता है, जिसे लागू करते ही हम

क्षण भर में इच्छित परिणाम तक पहुंच जाते हैं। यह समाजशास्त्रीय है। यह मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाता है। यूरोप में मार्टिन लूथर से मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) ने विवेकवाद को उभारा। इसमें तीन बातें है–भाग्यवादी सोच पर हमला, समानता के लिए आग्रह और विवेक के आधार पर घटनाओं, दर्शन और नायकों को परखने की क्षमता का विकास।

इनके समन्वय से वैज्ञानिक सोच और आलोचनात्मक दृष्टि विकसित होती है। इसकी कमी सर्वत्र महसूस की जा रही है। समाजशास्त्र, साहित्य और सुधारक की त्रिवेणी जब बहती है, तब नए दौर की शुरुआत होती है। वाल्तेयर (1694-1778) ने साहित्यिक लेखन से बदलाव को जन्म दिया। वे कैथोलिक चर्च की ताकत से घबराए नहीं। धर्म की आड़ में बढ़ती अराजक सोच, विभाजनकारी प्रवृतियों को उन्होंने निशाना बनाया।

व्यक्ति की अपनी अहमियत तब दिखाई पड़ने लगी, जब वह 'विवेक' और 'वैज्ञानिक सोच' को अपनाने लगा। फिर भेड़चाल थमने लगती है। थामस कार्लाइल, गोर्की, टाल्सटाय जैसे अनेक नाम हैं, जिन्होंने मनुष्य की जड़ता, सोच में यथास्थितिवाद और मस्तिष्क के आलस्य को खत्म किया।

यह मनुष्य को असहमत होने की ताकत देता है। असहमति तो होती है, पर मन के बाहर निकालकर सार्वजनिक करने की क्षमता नहीं होती है। लोकतंत्र में इसका केंद्रीय स्थान होता है। यह सूक्ष्म होता है, पर स्थूल के बुनियाद को हिला देता है। वैसे ही जैसे चींटी हाथी की सूंड़ में प्रवेश कर उसे बेचैन कर देती है।

आंद्रेई सखारोव भौतिक विज्ञानी थे। पूर्व सोवियत संघ में उन्होंने व्यवस्था से असहमति का सवाल उठाकर उसे प्रतीकात्मक बना दिया। वे मानवाधिकार के प्रवक्ता बनकर उभरे। ठीक उसी प्रकार चेकोस्लोवाकिया में ताकतवर राजनीतिक व्यवस्था की वैधानिकता को वाकलाव हावेल की पुस्तक 'द पावर आफ पावरलेस' ने चुनौती दी थी।

आज संकट गहरा है। हमने भौतिक चमक-दमक को आधुनिक मनुष्य होने का एकमात्र विकल्प मान लिया है। मध्ययुग से आधुनिक युग में प्रवेश मनुष्य के आचरण, उसकी सोच और मस्तिष्क में परिवर्तन के कारण हुआ था। वह प्रक्रिया थम गई है।

भारत में समाज सुधार और साहित्य की भूमिका तो रही है, समाजशास्त्र अपने पांवों पर कभी खड़ा ही नहीं हुआ। साहित्य ही समाजशास्त्र की कमियों को कुछ हद तक भरता रहा है। प्रेमचंद से लेकर रामधारी सिंह दिनकर की प्रगतिशील लेखनी इसके प्रमाण हैं। राजा राममोहन राय से लेकर एम जी राणाडे मनुष्य के चिंतन में बदलाव की सामाजिक पहल करते रहे।

बदलाव पर तब ग्रहण लगता है, जब सोच, चिंतन, दृष्टिकोणों का केंद्रीकरण हो जाता है। यह आलोचनात्मक प्रवृत्ति, जो विशेषता होती है, उसे अनपेक्षित बना देती है। भेड़चाल यहीं से शुरू होती है।

साम्यवाद समाप्त हो गया, उसकी सोच का केंद्रीकरण उसके शत्रुओं ने भी उपयोगी मानकर अपना लिया है। रास्ता सोच के विकेंद्रीकरण में है। पश्चिम में क्लबों और भारत में सार्वजनिक स्थानों या खुले आसमान के नीचे बैठकर यह होता रहा है। वहां इसी ने 'फेबियन समाजवाद' को जन्म दिया, तो भारत में अद्वैत और नवन्याय का दर्शन विकसित हुआ।

भौतिकता के अपने हथियार होते हैं। यह मनुष्य को दूसरे प्रकार का व्यक्तिवादी बनाता है। मध्ययुग के बाद जो व्यक्तिवाद आया, उसमें व्यक्ति अपने अस्तित्व को विवेक और असहमति के अधिकारों में देखता था। अब जो व्यक्तिवाद है, उसमें वह स्वयं के भौतिक सुख के लिए सब कुछ, जिसमें पारिवारिक, सामुदायिक जिम्मेदारी होती है, को नकारने में देखता है।

भौतिकता आर्थिक संस्कृति की सर्वोच्चता स्थापित कर साहित्य, समाजशास्त्र और सुधार को भी अपने अधीनस्थ कर लेती है। राजाओं के किसी 'नवरत्न' ने समाज को सूक्ष्म या स्थूल स्तर पर बदलने वाली रचना नहीं की है।

दुनिया में बदलाव का नेतृत्व हमेशा विश्वविद्यालय परिसर के बाहर के बौद्धिकों द्वारा हुआ है। आज जब मनुष्य संकट से जूझ रहा है, तब नाम का डंका पीटने वाले आक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, हावर्ड विश्वविद्यालयों के बौद्धिक असहमति का वैकल्पिक दर्शन देने की बात तो दूर, अपने आपको बचाने में ही अपना बौद्धिक पसीना बहा रहे हैं।

विश्वविद्यालय करिअरवाद की बुनियाद रखता है। जो अपवादस्वरूप इससे बच निकलते हैं, वे ही परिवर्तन के सारथी बनते हैं। आज पूंजीवाद के विकृत रूप ने मनुष्य को वैज्ञानिक चिंतन और आलोचनात्मक दृष्टि के स्व-समर्पण के लिए वातावरण पैदा कर दिया है। यह नस्ल, धर्म, जाति एवं संकीर्ण पहचानों के प्रवक्ताओं और आंदोलनों को सहायता तथा समर्थन देता है। वहीं यह आज के साहित्य और समाजशास्त्र का संगीत बनकर दुनिया के कानों को सुख दे रहा है। इसे तोड़ना ही विवेकवाद का जन्म होगा।

दुनिया में गहरा रहा जल संकट, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट की डरावनी चेतावनी ने बढ़ाई टेंशन

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।

जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है।

समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।

मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।

अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट रहा है। हम भू-गर्भ से जितना पानी निकाल रहे हैं, उतना पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं। यानी जल खाता खाली हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है।

धीरे-धीरे यह स्थिति एक ऐसी सीमा पर पहुंच जाती है, जहां से लौटना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह बात भी सच है कि इस संकट का असर सब पर बराबर नहीं पड़ता। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड़ना स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं।

भारत के संदर्भ में देखें, तो संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी और भी गहरी चिंता पैदा करने वाली है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हमारे देश में है, पर उसके हिस्से में उपलब्ध मीठा पानी सीमित है। इसके बावजूद भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो सबसे ज्यादा भूजल दोहन कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कुएं सूख रहे हैं, हैंडपंप में पानी नहीं आ रहा और हर साल गहरे नलकूप खोदे जा रहे हैं।

हमारी नदियों की हालत भी सबके सामने है। कई नदियां मृत कही जाने लगी हैं, तो कई अब वर्षाकाल तक सीमित हो गई हैं। शहरों में तालाब और झीलें या तो पाट दी गई हैं या गंदे पानी का भंडार बन चुकी हैं। वर्षा जल व्यर्थ बह जाता है, उसे सहेजने के उपाय नहीं हो रहे। तमाम मुश्किलों के बावजूद यह तय है कि हमारे यहां पानी मौजूद है, मगर हम उसका प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं। जाहिर है, भारत में भी जल संकट प्राकृतिक से अधिक नीतिगत है।

ऐसे उद्योगों की स्थापना पर चिंता व्यक्त की जा रही है, जिनमें जल खपत अत्यधिक होती है। खेती में ज्यादा सिंचाई की जरूरत वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाना भी एक बड़ा कारण है। सस्ती या मुफ्त बिजली देने के निर्णयों ने भूजल दोहन को और बढ़ा दिया है। औद्योगिक और शहरी प्रदूषण ने उपलब्ध जल को अनुपयोगी बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अगर हम जल संकट से पार पाना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले यह मानना होगा कि पानी असीमित नहीं है।

भूजल को निजी संपत्ति मानने की सोच में बदलाव लाना होगा। भूगर्भ में मौजूद पानी सामूहिक धरोहर है और उसकी रक्षा करना भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल संकट और खेती के बीच गहरा संबंध है। हमें खेती में फसलों के चयन को पानी की उपलब्धता से जोड़ना होगा। शहरों और गांवों में जल की बचत को औपचारिकता भर से ऊपर उठकर और जरूरत बनाकर काम करना होगा।

गंदे पानी को बहाने की जगह उसे साफ करके पुनः उपयोग में लाने के काम को बढ़ावा देना होगा। मगर बड़ा सवाल यह है कि यह सब करेगा कौन? केवल सरकारों पर जिम्मेदारी डाल कर इस संकट से नहीं उबरा जा सकता। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे, क्योंकि जल है तो कल है।

विकास के दावे और बढ़ती बेरोजगारी

हाल के महीनों में देश के अलग-अलग हिस्सों से जो खबरें सामने आईं, वे भारत की आर्थिक कहानी के उस पक्ष को उजागर करती हैं जिसे प्रायः विकास दर, निवेश और बड़े आयोजनों की चमक में ढक दिया जाता है। एक ओर नीति-निर्माता भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बताने में लगे हैं, वहीं दूसरी ओर पढ़े-लिखे युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, अस्थिर रोजगार और घटती आय गहरी चिंता पैदा करती हैं।

हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों ने यह साफ कर दिया कि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर फिर से बढ़ रही है और युवाओं के लिए स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है। यह विरोधाभास केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह उस विकास के तरीके पर बुनियादी सवाल है जिसे देश बीते एक दशक से अपनाए हुए हैं।

आधिकारिक अनुमानों के अनुसार देश की लगभग पैंसठ फीसद आबादी पैंतीस वर्ष से कम उम्र की है और हर वर्ष लगभग एक करोड़ से अधिक युवा काम की तलाश में श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। यह तभी सार्थक हो सकता है जब अर्थव्यवस्था पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करे। मगर वास्तविकता यह है कि संगठित क्षेत्र में नई नौकरियों की संख्या सीमित रही है।

श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में संगठित क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की दर दो फीसद से भी कम रही है, जबकि श्रम बल की वृद्धि इससे कहीं अधिक तेज है। नतीजा यह कि बेरोजगारी और अल्प बेरोजगारी दोनों समस्या गहराती जा रही है। शहरी बेरोजगारी दर पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखाई देती है।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2024 के अंत तक शहरी बेरोजगारी दर लगभग सात फीसद के आसपास पहुंच गई थी, जबकि युवाओं यानी अठारह से उनतीस वर्ष के आयु वर्ग में यह दर बारह फीसद से अधिक दर्ज की गई। उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में बेरोजगारी दर इससे भी अधिक है। इंजीनियरिंग, प्रबंधन और सामान्य स्नातक डिग्री रखने वाले लाखों युवा या तो काम की तलाश में भटक रहे हैं या अपनी योग्यता से बहुत कम वेतन और अस्थिर शर्तों पर काम करने पर मजबूर हैं। यह स्थिति न केवल आर्थिक असुरक्षा पैदा करती है, बल्कि सामाजिक असंतोष और मानसिक दबाव को भी जन्म देती है।

ग्रामीण भारत में स्थिति इससे अलग नहीं है। कृषि पर निर्भर आबादी का अनुपात अभी भी लगभग पैंतालीस फीसद है, जबकि कृषि का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में पंद्रह फीसद से भी कम रह गया है। इसका अर्थ यह है कि बड़ी संख्या में लोग कम उत्पादकता वाले क्षेत्र में फंसे हुए हैं। खेती से आय बढ़ाने के तमाम सरकारी दावों के बावजूद वास्तविक आय वृद्धि सीमित रही है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार औसत किसान परिवार की मासिक आय आज भी इतनी नहीं है कि वह सम्मानजनक जीवन स्तर सुनिश्चित कर सके। नतीजतन ग्रामीण युवाओं का शहरों की ओर पलायन जारी है, लेकिन शहरों में भी उन्हें स्थायी और सम्मानजनक रोजगार नहीं मिल पा रहा। पिछले एक दशक में सरकार ने रोजगार संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। कौशल विकास मिशन और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य नई नौकरियां पैदा करना और उद्यमिता को बढ़ावा देना बताया गया। इन पहलों से कुछ सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं।

'स्टार्टअप इंडिया' के तहत दो लाख से अधिक नए उद्यम पंजीकृत हुए हैं और इनके माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार सृजित हुए हैं। मगर यह भी सच है कि इन रोजगारों का बड़ा हिस्सा अस्थायी, परियोजना आधारित या डिजिटल मंचों से जुड़ा हुआ है, जहां सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। उद्योगों की स्थिति भी रोजगार सृजन के लिहाज से उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है।

विनिर्माण क्षेत्र को रोजगार वृद्धि का प्रमुख इंजन माना जाता रहा है, लेकिन भारत में इसका योगदान सकल घरेलू उत्पाद में लगभग सोलह से सत्रह फीसद के आसपास अटका हुआ है। चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों की तुलना में भारत विनिर्माण में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने में पिछड़ता दिखता है। श्रम कानूनों की जटिलता, भूमि अधिग्रहण की समस्याएं, बुनियादी ढांचे की कमी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दबाव ने उद्योगों की रोजगार सृजन क्षमता को सीमित कर दिया है।

सेवा क्षेत्र ने पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था को संभाला है, लेकिन यहां भी रोजगार का स्वरूप बदल गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक सेवाओं में उच्च कौशल वाले लोगों को अवसर मिल रहे हैं, लेकिन पारंपरिक सेवाओं में रोजगार या तो ठहरा हुआ है या घट रहा है। इसके अलावा एक ऐसी अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ है, जहां लोग परिवहन, आपूर्ति और डिजिटल सेवाओं से जुड़े छोटे-छोटे काम करते हैं।

बेरोजगारी का असर केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक भी है। बेरोजगार या असुरक्षित रोजगार में फंसे युवा अपने भविष्य को लेकर निराश हो रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती भीड़, बार-बार परीक्षाओं का रद्द होने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी से इस निराशा को और गहरा करती है। कई राज्यों में बेरोजगारी को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन इस बात का संकेत हैं कि यह समस्या अब केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि सड़कों पर दिखने लगी है।

शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच बढ़ती खाई भी इस संकट का एक बड़ा कारण है। हर साल लाखों विद्यार्थी महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से डिग्रियां लेकर निकलते हैं। मगर इनमें ज्यादातर विद्यार्थी उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित नहीं होते। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की रपटों के अनुसार भारत की बड़ी कार्यशील आबादी औपचारिक कौशल प्रशिक्षण से वंचित है।

नतीजतन, कंपनियां कुशल श्रमिकों की कमी की शिकायत करती हैं और युवा रोजगार न मिलने की। यह विरोधाभास नीति और क्रियान्वयन दोनों स्तरों पर व्यापक सुधार की मांग करता है। महिलाओं की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लंबे समय से कम बनी हुई है। हाल के वर्षों में इसमें कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी यह दर तीस फीसद के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है।

शिक्षित होने के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक कारणों से कार्यबल से बाहर रहती हैं। यदि इनकी भागीदारी बढ़े, तो न केवल रोजगार का दायरा विस्तृत होगा, बल्कि आर्थिक वृद्धि भी अधिक समावेशी बन सकेगी। सरकार की नीतियों में रोजगार को प्राथमिकता देने की बात बार-बार कही जाती है, लेकिन बजटीय आबंटन और वास्तविक क्रियान्वयन में यह प्राथमिकता साफ नहीं दिखती। शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर सार्वजनिक खर्च अभी भी सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में सीमित है।

अंतरराष्ट्रीय तुलना करें, तो भारत इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम निवेश करता है। यदि मानव पूंजी में पर्याप्त निवेश नहीं होगा, तो रोजगार सृजन की किसी भी योजना की सफलता संदिग्ध रहेगी। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत किस तरह के विकास की ओर बढ़ रहा है। यदि विकास का अर्थ केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि और कुछ चुनिंदा क्षेत्रों की प्रगति तक सीमित रहेगा, तो बेरोजगारी और असमानता की समस्या बनी रहेगी।

थाना ऊंज क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़, तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार, भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद

भदोही। थाना ऊंज क्षेत्र अंतर्गत रविवार की देर रात पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की चेकिंग के दौरान ग्राम मीनापुर के पास पुलिस मुठभेड़ में बड़ी सफलता हासिल की। मुठभेड़ के दौरान थाना ऊंज पर पंजीकृत मामलों से संबंधित दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि पूछताछ के आधार पर एक अन्य आरोपी को भी दबोचा गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में राजेश कुमार बिंद (45 वर्ष) निवासी छन्नौरा थाना दुर्गागंज एवं बब्लू कुमार (26 वर्ष) निवासी ग्राम कान्तिरामपुर थाना सुरियावां शामिल हैं। पूछताछ में बब्लू कुमार की निशानदेही पर संतोष कुमार बिंद (38 वर्ष) निवासी बवई थाना सुरियावां को भी गिरफ्तार किया गया।

मुठभेड़ के दौरान आरोपियों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर किया गया, जिस पर पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। इस दौरान आरोपी राजेश कुमार बिंद के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी, जिसे उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल, इनवर्टर-बैट्री सहित भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त आरोपी बब्लू कुमार के घर से 5 बैटरियां, इनवर्टर, टुल्लू पंप, स्टार्टर, सीपीयू, आटा चक्की, स्टेबलाइजर, सिलेंडर, एचपी प्रिंटर, मोटरसाइकिल के कटे हुए पार्ट्स, तार कटर समेत अन्य संदिग्ध चोरी का माल बरामद हुआ है।

पुलिस ने बताया कि घायल आरोपी राजेश कुमार बिंद के विरुद्ध जनपद भदोही के थाना ऊंज, दुर्गागंज एवं सुरियावां में लगभग डेढ़ दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों के आपराधिक इतिहास एवं अन्य घटनाओं में संलिप्तता की जांच की जा रही है। पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देशन में फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बांदा व सेवाश्रम इंटर कॉलेज की शानदार जीत

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सुरियावां क्षेत्र स्थित महर्षि आज़ाद स्टेडियम, मेढ़ी में तेजधर ब्रह्मबाबा खेल समिति द्वारा आयोजित महर्षि आज़ाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के नौवें दिन मंगलवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। दोनों मैचों में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को भरपूर रोमांच प्रदान किया।

दिन का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला चंदौली और बांदा के बीच खेला गया। चंदौली की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। चंदौली की ओर से योगेश राणा (40 रन) और अरमान आलम (36 रन) ने अहम पारियां खेलीं। बांदा की ओर से गेंदबाजी में सौरभ यादव ने 4 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि अरमान आलम, भानु मिश्रा और स्वतंत्र यादव ने भी महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांदा की टीम की शुरुआत भले ही मजबूत न रही हो, लेकिन अजय साहू ने 45 गेंदों पर 80 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए मैच का रुख पलट दिया। अंततः बांदा की टीम ने 16 ओवर में 8 विकेट खोकर 139 रन बनाते हुए मुकाबला 2 विकेट से अपने नाम कर लिया। चंदौली की ओर से भानु मिश्रा और ध्रुव प्रताप सिंह ने प्रभावी गेंदबाजी की, लेकिन टीम लक्ष्य का बचाव नहीं कर सकी। आखिरी ओवर तक चला यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद यादगार रहा।

दिन का दूसरा मुकाबला सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां और कानपुर की टीमों के बीच खेला गया। सेवाश्रम इंटर कॉलेज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में सभी विकेट खोकर 148 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कानपुर की टीम 17वें ओवर में 105 रन पर सिमट गई। इस तरह सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां की टीम ने 43 रन से शानदार जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता के अंतिम चार में प्रवेश किया। इससे पूर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चंदौली ने गाजियाबाद को 15 रन से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया था। उस मैच के मुख्य अतिथि औराई विधायक दीनानाथ भास्कर एवं विशिष्ट अतिथि आरएसएस जिला प्रचारक कमलेश जी रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मैच के दौरान समिति के चीफ ऑर्गनाइजर प्रतीक महर्षि दुबे, अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह सहित विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, संतोष पांडेय शास्त्री, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सनी सिंह समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सहकारी बैंक चुनाव में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान, फर्जी मतदान के आरोप पर सड़क जाम

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। ज्ञानपुर ब्लॉक मुख्यालय गिराई स्थित उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक, लखनऊ के शाखा प्रतिनिधियों एवं प्रबंध समिति के निर्वाचन के लिए मंगलवार को सुबह आठ बजे से मतदान प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। मतदान केंद्र पर सुबह से ही गहमा-गहमी का माहौल रहा और दोनों प्रत्याशियों के समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही।

भदोही जनपद से शाखा प्रतिनिधि के एक पद के लिए विजय बहादुर सिंह और अशोक कुमार बिंद के बीच सीधा मुकाबला देखा गया। मतदान केंद्र पर दोनों प्रत्याशियों के समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे माहौल तनावपूर्ण बना रहा।

इस दौरान प्रत्याशी अशोक कुमार बिंद ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी पर फर्जी मतदान कराने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मृतक मतदाता के नाम पर फर्जी आधार कार्ड का उपयोग कर मतदान कराया जा रहा है। आरोप लगाते हुए अशोक कुमार बिंद अपने समर्थकों के साथ सड़क जाम कर धरने पर बैठ गए, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात राय ने स्थिति को संभाला और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर लगभग दस मिनट के भीतर सड़क जाम समाप्त कराया। इसके बाद मतदान प्रक्रिया पुनः सामान्य रूप से जारी रही।

वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने फर्जी मतदान के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ये आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार की आशंका होने पर विपक्षी मानसिकता के लोग इस तरह के झूठे आरोप लगाते हैं।

निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र कुमार, जिला लेखा परीक्षक ने बताया कि कुल 2068 मतदाता मतदान प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। मतदान समाप्त होने के बाद मतों की गणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा।

ससजपा केंद्रीय कार्यालय मे आन, बान, शान से लहराया तिरंगा

गोपीगंज। सर्व समाज जनहित पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय घूरीपुर मे राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ध्वजारोहण कियात्राष्ट्रगान के उपरांत आजादी दिलाने वाले अमर शहीदो के बलिदान की चर्चा करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह के साथ धनेश प्रसाद पंडा, शिंटू शुक्ला, डा अखिलेश सिंह डा.अमित सिंह, नीरज श्रीवास्तव, बड़े सिंह, धर्मेंद्र पाठक, विजई पाठक, बऊ, कल्लू पाठक, नन्हू पाठक, विकास पाठक, डा. सौम्या सिंह, दीपसीखा सिंह, राकेश पाठक, राजधर पाठक आदि ने अमर शहीदो को नमन कियाइस मौके पर जुटे बच्चों मे मिष्ठान्न वितरण किया गया।

बालिका हाई स्कूल अभिया में पंख पत्रिका का विमोचन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही /सुरियावा। मंगलवार को राजकीय बालिका हाई स्कूल अभिया सुरियावा भदोही मेदिनांक 27/ 1/ 2026 को वार्षिक उत्सव प्रोग्राम वह पंख पत्रिका विमोचन व विदाई समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक एवं उनके सहयोगी गण अभिया गांव के प्रधान अनिल सिंह जी वह उनके सहयोगी गण व प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य वह जच्चा बच्चा केंद्र की मंजू सिंह व अभिभावक गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे वह विद्यालय की प्रधानाचार्य पुष्पा व सहायक अध्यापिका आरती देवी विश्वकर्मा के सहयोग से ही प्रोग्राम की प्रस्तुति व समापन किया गया। जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य कैसे प्राप्त हो इसके बारे मां विस्तृत चर्चा करते हुए कहा किबोर्ड परीक्षा की तैयारी बिना तनाव के कैसे की जाए इसके बारे में भी छात्र-छात्राओं को बताया व छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति की सराहना की।

नकबजनी रजिस्टर का एसपी व एएसपी ने किया निरीक्षण, दिए सख्त दिशा-निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक एवं अपर पुलिस अधीक्षक भदोही शुभम अग्रवाल द्वारा मंगलवार को पुलिस कार्यालय सरपतहा में जनपद के सभी थानों पर नियुक्त आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी के नकबजनी रजिस्टरों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान रजिस्टर में दर्ज नकबजनी, चोरी व डकैती से संबंधित मामलों, उनकी जांच प्रगति, रात्रि गश्त रिपोर्ट, अपराध नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रविष्टियों की बारीकी से समीक्षा की गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अभिलेखों को अद्यतन रखने, गश्त को और प्रभावी बनाने तथा चोरी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं नियमों के अनुरूप करना होगा। निरीक्षण का उद्देश्य जनपद में जन-सुरक्षा एवं संपत्ति की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

निरीक्षण के दौरान आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए गए, जिससे थाना स्तर पर अपराधों की रोकथाम और विवेचना की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

निर्माणाधीन पांच महत्वपूर्ण परियोजनाओं का डीएम, एसपी व सीडीओ ने किया संयुक्त निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में निर्माणाधीन पांच महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की प्रगति और गुणवत्ता का आकलन करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक एवं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सभी परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने निर्माणाधीन साइबर थाना, सरपतहा में निर्माणाधीन राज्य कर विभाग का जीएसटी भवन, सागररायपुर सिखापुर में पुलिस विभाग के बहुमंजिला आवासीय भवन, निर्माणाधीन ज्ञानपुर बस स्टेशन, तथा मुंशीलाटपुर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में टॉयलेट, चेंजिंग रूम, जिम, बॉक्सिंग व कुश्ती हॉल के निर्माण कार्यों का गहन अवलोकन किया गया।

अधिकारियों ने निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जांच की, जो मानकों के अनुरूप पाई गई। साथ ही भौतिक प्रगति भी लक्ष्य के सापेक्ष संतोषजनक बताई गई। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए और शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने पुलिस विभाग से संबंधित निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने, सुरक्षा मानकों और उपयोगिता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। वहीं मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल ने सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग प्रज्ञा पारमिता, अवर अभियंता सुभाष चंद्र, डीईएसटीओ शशिकांत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गरिमापूर्ण ढ़ंग से आयोजित हुआ गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही/ सुरियावा। भारतीयता हमारा धर्म एवं संविधान हमारा ग्रंथ है। भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे राष्ट्र की संकल्पना किया था। जहॉ न्याय, स्वतंत्रता, सामानता व बन्धुत्व दुनिया के सबसे बड़े और सबसे बड़े समावेशी लोकतंत्र के लोकतंत्र के मार्गदर्शक सिद्धान्त है। आईये हम सभी संविधान में निहित आदर्शो के प्रति संकल्पित होकर एक समावेशी और समृद्ध भारत के निर्माण में मिलकर काम करें। संविधान के आदर्शों व मूल्यों से सभी को परिचित कराते हुए अधिकारों के साथ कर्तव्य के सतत निर्वाहन पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के साथ देश के प्रगति पथ में योगदान देने हेतु प्रेरित करता है।

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर खंड विकास कार्यालय सुरियावा के परिसर में ब्रजेश नारायण तिवारी व ब्लॉक प्रमुख अनिता गौतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अधीक्षक अभिषेक नाग नगर पंचायत कार्यालय सुरियावा पर अधिशासी अधिकारी सुजीत कुमार कोतवाली परिसर सुरियावा में थाना अध्यक्ष मनीष द्विवेदी बी आर सी सुरियावा पर खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हु। गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर जनपद के सभी शिक्षण संस्थाओं में झण्डारोहण, सांस्कृतिक व देश भक्ति परक कार्यक्रम, निबन्ध प्रतियोगिता, अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया के समस्त शासकीय/ अशासकीय कार्यालय, ग्राम पंचायतों, प्राथमिक विद्यालय का अभिया बीपीएमजी पब्लिक स्कूल दिव्या पब्लिक स्कूल पीस कॉटेज पूर्व माध्यमिक विद्यालय अभिया सेवाश्रम इंटर कॉलेज, सहित अन्य प्रतिष्ठानों, संस्थानों में हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण कर भारतीय संविधान के आदर्श व विचारों को आत्मसात करते हुए बल दिया गया।

आन, बान और शान से लहराया तिरंगा : जनपद में गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में गणतंत्र दिवस की 77वीं वर्षगांठ पूरे गौरव, उत्साह और भव्यता के साथ मनाई गई। जिले के समस्त शासकीय व अशासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर ध्वजारोहण किया गया और देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

पुलिस लाइन ज्ञानपुर में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि दयाशंकर मिश्र 'दयालु', आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक उपस्थित रहे।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हम सभी को संकल्पित होकर योगदान देना होगा। उन्होंने संविधान को विश्व का सबसे जीवंत दस्तावेज बताते हुए सामाजिक, आर्थिक समानता और न्याय तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करने पर बल दिया।

कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने ध्वजारोहण कर संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया। उन्होंने वृक्षारोपण किया तथा शहीद परिजनों को अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि समावेशी और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा, ताकि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को सशक्त बनाया जा सके।

जिलाधिकारी ने 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय स्थित हीमोडायलिसिस यूनिट में पहुंचकर डायलिसिस मरीजों को फल व मिष्ठान वितरित कर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जिला कारागार में अपर जिलाधिकारी एवं कारागार प्रशासन द्वारा ध्वजारोहण कर कैदियों को संविधान के आदर्शों से अवगत कराया गया तथा अच्छे आचरण वाले कैदियों को सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले भर में प्रभात फेरियां, झांकियां, क्रॉस कंट्री दौड़, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। पुलिस लाइन में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

पुलिस सेवा में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिले के सभी विकास खंडों, तहसीलों, ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों में हर्षोल्लास के साथ तिरंगा फहराया गया और संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

गणतंत्र दिवस पर मां शारदा विद्या सागर में भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन

देशभक्ति के रंग में रंगा मां शारदा विद्या सागर पू.मा.वि. में हर्षोल्लास के साथ फहराया तिरंगा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मां शारदा विद्या सागर पूर्व माध्यमिक विद्यालय, श्रीपुर, ज्ञानपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक कुमार श्रीवास्तव जी ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। इसके उपरांत उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक एवं संवैधानिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा देश के प्रति कर्तव्यबोध और अनुशासन की भावना विकसित करने का संदेश दिया।

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की आन-बान और शान का प्रतीक यह राष्ट्रीय महापर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे तथा विकसित भारत का संकल्प और अधिक सुदृढ़ हो–यही कामना की गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक सुनील कुमार मिश्रा का स्नेहिल आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिससे संपूर्ण वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

इस अवसर पर अध्यापिका सुमन, नेहा, मिनाक्षी, विभा, अध्यापक मनीष, बबलू, मनोज, पूर्व प्रधान संजय मौर्या, डॉ. राजकुमार पाल, बंदना मौर्य, संजना, प्रियंका, हितिक मिश्रा, संदीप, पंकज, प्रिया, उत्कर्ष, ऋषिकेश पांडेय, स्कूल सभी अभिभावक, एवं बच्चे भारी संख्या में उपस्थित रहे।

थरवई क्षेत्र में सरकारी-गैर सरकारी संस्थानों में धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थरवई क्षेत्र में गणतंत्र दिवस सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में पूरे हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विभिन्न संस्थानों में ध्वजारोहण कर संविधान के प्रति आस्था प्रकट की गई।इसी क्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय थरवई में ग्राम प्रधान राजेश कुमार, इंचार्ज प्रधानाध्यापिका आशा देवी एवं सहायक अध्यापिका गायत्री यादव द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान किया गया विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों पर चलने एवं अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय डेरागदाई में इंचार्ज प्रधानाध्यापक दिनेश चंद्र शुक्ल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेहरा में इंचार्ज प्रधानाध्यापक डॉ. धर्मराज यादव द्वारा ध्वजारोहण कर छात्र-छात्राओं को गणतंत्र दिवस के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर पूरे चंदा में ग्राम प्रधान योगेश तिवारी (रामू) द्वारा ध्वजारोहण किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अतुल कुमार ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

बेनी माधव सिंह पीजी कॉलेज, माधव नगर बिगहिया में कृपाराम मिश्रा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डी. बी. सिंह, बबिता सिंह, गोपाल सिंह, सत्य नारायण मिश्र, अर्चना पांडे सहित महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

इसी प्रकार जगत प्रभा पब्लिक स्कूल, माधव नगर बिगहिया में विद्यालय की प्रबंधक सुषमा सिंह एवं स्मिता सिंह द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि द्वारा गणतंत्र दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर राजू सिंह सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। चौधरी भवानी भीख इंटर कॉलेजपण्डिला में प्रधानाचार्य रमेश शुक्ला द्वारा ध्वजारोहण किया गया। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।पंडित हनुमत त्रिपाठी इंटर कॉलेज, इस्माइलगंज में विद्यालय के प्रबंधक महेशपति त्रिपाठी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य वेद प्रकाश मिश्रा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अमर ज्वाला गैस गोदाम पर गणतंत्र दिवस पूरे जोश-उत्साह के साथ मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। अमर उजाला गैस सर्विस, चकठाकुरराम स्थित गैस गोदाम पर रविवार को गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गैस एजेंसी की प्रोप्राइटर नीलम पांडेय एवं संजीव कांत पांडे द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया।इस अवसर पर संजीव कांत पांडे ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व और संविधान की मर्यादाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान हमंष समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है, जिसे आत्मसात कर देश के विकास में योगदान देना हम सभी का कर्तव्य है।

ध्वजारोहण के बाद गैस गोदाम परिसर में भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धा और भक्ति से सराबोर इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सुंदरकांड पाठ के दौरान भजनों और चौपाइयों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुंदरकांड का पाठ करने से मानसिक शांति, भय और संकटों से मुक्ति तथा आत्मबल की प्राप्ति होती है। यह पाठ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर करने में सहायक माना जाता है। सुंदरकांड के माध्यम से भगवान श्रीराम और हनुमान जी के आदर्शों को जीवन में उतारने की प्रेरणा मिलती है, जिससे व्यक्ति में धैर्य, साहस और सेवा भाव का विकास होता है।पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विनोदकुमार तिवारी ब्लॉक प्रमुख होलागढ़ हर्षिता पांडे, जी के त्रिपाठी, संदीप दुबे, कृष्णा पांडे, राजेंद्र शुक्ला, सज्जन द्विवेदी, अशोक कुमार शुक्ला, योगेश तिवारी, रामू, केडी मिश्रा, पिंटू शुक्ला, सौरभ शुक्ला समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों की सहभागिता रही।कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जहां आयोजक संजीव कांत पांडे ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नव भारतीय किसान संगठन (अराजनैतिक) ने पूरे जोश के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

सहसों। नव भारतीय किसान संगठन (अराजनैतिक) द्वारा गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह, देशभक्ति और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्माण शुक्ला के कुशल निर्देशन में सहसों स्थित प्रदेश कार्यालय पर किया गया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सूर्यमणि शुक्ला ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गीत का गायन किया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने माहौल को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।प्रदेश अध्यक्ष सूर्यमणि शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान के मूल्यों पर चलने और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने किसानों से एकजुट होकर अपने हक और सम्मान के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में रामेंद्र सिंह पटेल, जमील अहमद, रयान, शांति देवी, विनोद कुमार द्विवेदी, सोना देवी, सुनील तिवारी, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, संतलाल पटेल, मंजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ मोंटेसरी स्कूल में गणतंत्र दिवस मनाया गया

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला परिसर स्थित मोंटेसरी स्कूल में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्वेता पत्नी धीरज कुमार, डीआईजी ग्रुप केंद्र ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।ध्वजारोहण के पश्चात श्वेता धीरज कुमार ने उपस्थित छात्र-छात्राओं और स्टाफ को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान हमें समानता, न्याय और कर्तव्यबोध की भावना सिखाता है। बच्चों को बचपन से ही राष्ट्रप्रेम और संविधान के मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए।कार्यक्रम में बच्चों द्वारा देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों ने सराहा।इस अवसर पर प्रतिभा राय पत्नी सुनीत कुमार राय, डीआईजी रेंज प्रयागराज, अमृता सिन्हा पत्नी श्रीनिवास, उप कमांडेंट, आची जैन पत्नी समय जैन, सहायक कमांडेंट, बीना मिश्रा प्रधानाचार्य कंचन शर्मा सहित विद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं मौजूद रही।

बिशप हार्टमनगंज एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। बिशप हार्टमनगंज एकेडमी स्कूल में गणतंत्र दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय के फादर अल्बर्ट प्रवीण लोबो द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात राष्ट्रगान हुआ, जिससे पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया।

इस अवसर पर फादर अल्बर्ट प्रवीण लोबो ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवस

थरवई। स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, के प्राचार्य डॉ. सुबोध त्रिपाठी ने विद्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गूंजा, जिससे वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें संविधान के मूल्यों पर चलने का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश पांडे ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया।

पं रामचंद्र मिश्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में उल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पंडित रामचंद्र मिश्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल झलवा प्रयागराज में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रबंधक विकास चन्द्र मिश्र, वाइस चेयरमैन डीके तिवारी एवं निदेशक आकाश चन्द्र मिश्र और निदेशक सुभाष मिश्र ने संयुक रूप से राष्ट्रीय झंडा फहराया। झंडा फहराने के उपरान्त बच्चों ने राष्ट्रगान के माध्यम से देश भक्ति का संदेश दिया। इसके बाद विद्यालय की शिक्षिकाओं ने राष्ट्रीय गीत 'वो भारत देश है मेरा' से पूरे विद्यालय प्रांगण को देश भक्तिमय कर दिया। इसी क्रम में विभिन्न विधाओं जैसे समूह गान, समूह नृत्य, भाषण आदि के माध्यम से राष्ट्र की स्वतन्त्रता, एकता एवं अखंडता को दर्शाने का प्रयास किया। बच्चों ने ग्रुप डांस के माध्यम से देश रंगीला, यूनिटी ऑफ इंडिया, तेरा जलवा है भारत पर अपनी अदभुत प्रस्तुति दी। इस पर पूरा ग्राउंड तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 11वीं विज्ञान वर्ग की छात्रा रिमझिम राय ने अपने भाषण में राष्ट की एकता एवं अखंडता पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रामचंद्र तिवारी ने गणतंत्रात्मात्मक राष्ट्र के विशेषताओं पर प्रकाश डाला साथ ही स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को नमन कर उनके अदम्य साहस और बलिदान को याद किया। इसी क्रम में राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्य पर भी अपना मत व्यक्त किए।कार्यक्रम में दिलीप द्विवेदी, सुशील सिंह, विकास सिंह, जितेंद्र पाण्डेय, सुफरीन अलीम व जरीन अलीम, अंकित सोनकर एवं विद्यालय के समस्त शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा अपहरण के वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण में अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष खेसरहा के नेतृत्व में थाना खेसरहा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 170/2025 धारा-137(2), 87, 64(1)"ए व 5/6 पोक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को छितही तिराहा से शिवनगर डिडई जाने वाली सड़क पर से प्रशान्त कुमार पुत्र रुपचन्द्र निवासी वजीराबाद को उप निरीक्षक जगत नरायण यादव चौकी प्रभारी कुर्थिया, का0 आदित्य यादव , का0 विशाल सिंह की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा।

गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता में लखनऊ ने चंडीगढ़ को हराकर सेमी फाइनल में बनाई जगह।

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वीरेंद्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में सोमवार को सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 के तहत खेले गए मुकाबले में लखनऊ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चंडीगढ़ को 8 विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में बनाई जगह।लखनऊ के कप्तान यशवर्धन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंडीगढ़ की टीम 14.4 ओवर में मात्र 80 रन पर सिमट गई। चंडीगढ़ की ओर से कप्तान प्रखर तिवारी ने 30 रन, आदेश शुक्ला ने 16 रन और सिद्धार्थ दीक्षित ने 6 रन बनाए। लखनऊ की ओर से अभय राज यादव ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि तुषार वर्मा ने 3 विकेट तथा अमित और आशुतोष ने 1-1 विकेट हासिल किए।81 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की टीम ने 7.3 ओवर में दो विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। लखनऊ की ओर से आशुतोष चौधरी ने 22 गेंदों में नाबाद 43 रन की शानदार पारी खेली। वहीं आतफ ने 18 रन और समय त्रिवेदी ने 17 रनों का योगदान दिया।चंडीगढ़ की ओर से कप्तान प्रखर तिवारी ने 2 विकेट लिए। गेंदबाजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए लखनऊ के अभय राज यादव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि अंसारी हॉस्पिटल के सर्जन डॉ. सरफराज अंसारी ने फीता काटकर किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंनेऊ युवाओं को खेल के माध्यम से स्वस्थ रहने और उज्ज्वल भविष्य बनाने का संदेश दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने मुख्य अतिथि सर्जन डॉ सरफराज अंसारी को अंगवस्त्रभेंट कर व माला पहनाकर सम्मानित किया।मैच में अंपायर की भूमिका राहुल सिंह और सत्येंद्र सिंह (यूपीसीए) ने निभाई। कमेंट्री अनवर सिद्दीकी (प्रयागराज) ने की। स्कोरिंग विशाल यादव और विशाल मौर्य ने की, जबकि लाइव टेलीकास्ट की जिम्मेदारी अजय ने संभाली।इस दौरान मुख्य अतिथि सर्जन डॉ सरफराज अंसारी, इंजीनियर एजाज अंसारी, नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,

सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशनअध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, मनीषश्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, राजेश उपाध्याय, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चंदन पांडे, वकील खान, बाबूजी अंसारी, गुलाम गौस, चिंटू, राम मिलन भारती, शरदेंदु त्रिपाठी, अशोक दूवे, केशवराम यादव, पप्पू यादव, राकेश राज, रामानन्द पाण्डेय, पियुष सिंह, मनोज कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

महिला मिशन केंद्र की टीम ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में, रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल निर्देशन मे तथा अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम बदूलहा बुजुर्ग में महिलाओ व बलिकाओं को महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, बहू बेटी कार्यक्रम तथा साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम के तहत उपस्थित उपरोक्त महिला सशक्तिकरण सम्बन्धित बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, महिला से सम्बन्धित कानून व नए कानून के बारे मे जानकारी दी गई तथा वहां उपस्थित बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये कल्याणकारी योजनाओं व विधियों के बारे में जागरुक किया गया।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के मदरसा करमा में बालिकाओं/महिलाओ को एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहू सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई व जागरूक किया गया ।

नाजरेथ हॉस्पिटल ने गणतंत्र दिवस मनाया

प्रयागराज। नाजरेथ हॉस्पिटल परिसर में 77वाँ गणतंत्र दिवस देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हॉस्पिटल कोयर द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना गीत से हुआ, जिसके पश्चात सुश्री नाडा, ट्यूटर द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

इस अवसर के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार मिश्रा, उप आयुक्त, ॅलैजए प्रयागराज का स्वागत नाजरेथ हॉस्पिटल के प्रशासक फादर इसिडोर डीसूजा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। वहीं विशेष अतिथि श्री रत्नेश प्रकाश, अधिवक्ता (आयकर एवं जीएसटी) का अभिनंदन सिस्टर अलवीना बैछ, प्राचार्य, नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि श्री मिश्रा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में चिकित्सा पेशेवरों के योगदान की सराहना की और सभी से देश के प्रति अपने कर्तव्यों पर आत्मचिंतन करने का आह्वान किया। इसके उपरांत नाजरेथ हॉस्पिटल गायन मण्डली द्वारा एक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। डॉ. अशोक अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक एवं श्री अखिल पटनायक, अतिरिक्त प्रशासक द्वारा अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती ज्योति मैरी, ट्यूटर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का सुगम एवं प्रभावशाली संचालन सुश्री अंजलि सागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन अल्पाहार एवं कर्मचारियों व विद्यार्थियों को पारंपरिक मिठाइयों के वितरण के साथ हुआ।

किसानों के चार करोड़ रुपया गबन कर फरार अभियुक्तो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के कुशल पर्यवेक्षण में, पवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में, रवीन्द्र सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना इटवा के नेतृत्व में थाना इटवा पुलिस द्वारा वर्ष-2024 मे गिरोह के द्वारा जनपद बलरामपुर व जनपद सिद्धार्थनगर के सैकड़ो किसानो का गल्ला उधार लिया गया । पैसा न भुगतान कर लगभग चार करोड़ रुपये का गबन कर फरार हो गये थे। जिसके सम्बन्ध मे मु0अ0सं0 82/24 धारा 406/120बी भादवि थाना इटवा जनपद सिद्धार्थनगर व मु0अ0सं0 103/24 धारा 406 भादवि थाना कठेला समय माता जनपद सिद्धार्थनगर पंजीकृत होकर विवेचना पूर्ण की गयी । फरार चल रहे अभियुक्तगणो का एक संगठित गिरोह है जो भोले भाले किसानो से उधार के रुप मे गल्ला खरीद कर उनका रुपया गबन कर लेते है । जिसमे त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 20/2026 धारा 2ख(ग), 3(ग) उ0प्र0 समाज विरोधी क्रिया कलाप निवारण अधि0 पंजीकृत कर गैग से सम्बन्धित एक नफर अभियुक्ता 1.श्रीमती सन्नो देवी पत्नी कैलाश चन्द्र जायसवाल निवासी वार्ड नं0 8 गुरु गोविन्द सिंह नगर कस्बा इटवा थाना इटवा व 02 नफर अभियुक्तगण, सिद्धार्थ जायसवाल उर्फ इन्द्रजीत जायसवाल पुत्र कैलाश चन्द्र जायसवाल निवासी वार्ड नं0 8 गुरु गोविन्द सिंह नगर कस्बा इटवा थाना इटवा, कैलाश चन्द्र जायसवाल पुत्र स्व0 विश्वनाथ जायसवाल निवासी वार्ड नं0 8 गुरु गोविन्द सिंह नगर कस्बा इटवा को गिरफ्तार कर अभियुक्तगण को निरीक्षक संतोष कुमार त्रिपाठी, उप निरीक्षक हेमराज वर्मा, आरक्षी रुद्र प्रताप नायक, घनश्याम यादव , म0आ0 बृजमा निषाद, अल्का त्रिपाठी की टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में फिटनेस ट्रैकर्स बैन पर सबालेंका की नाराजगी, नियमों में बदलाव की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में कलाई पर पहने जाने वाले फिटनेस ट्रैकर्स पर लगे प्रतिबंध को लेकर सवाल उठाए हैं। मेलबर्न पार्क में शानदार जीत के बाद उन्होंने ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट्स के नियमों पर दोबारा विचार करने की अपील की। सबालेंका का मानना है कि आधुनिक टेनिस में फिटनेस ट्रैकर्स खिलाड़ियों की सेहत और रिकवरी के लिए बेहद अहम हो चुके हैं, खासकर अत्यधिक गर्मी में खेले जाने वाले मैचों के दौरान।

मंगलवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एरिना सबालेंका ने 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी इवा जोविक को 6-3, 6-0 से करारी शिकस्त दी। यह जीत न सिर्फ उनकी शानदार फॉर्म को दर्शाती है, बल्कि उन्हें चार साल में तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की ओर भी एक कदम आगे ले गई। मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबालेंका ने फिटनेस ट्रैकर्स पर लगे बैन को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की।

सबालेंका के मुताबिक, फिटनेस ट्रैकर्स सिर्फ एक गैजेट नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की सेहत की निगरानी का अहम साधन हैं। उन्होंने कहा कि ये डिवाइस शरीर पर पड़ने वाले लोड, हार्ट रेट और रिकवरी को समझने में मदद करते हैं। खासतौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन जैसे टूर्नामेंट, जहां भीषण गर्मी में मुकाबले होते हैं, वहां खिलाड़ियों के लिए अपनी फिजिकल कंडीशन पर नज़र रखना बेहद ज़रूरी हो जाता है।

सबालेंका उन कई टॉप खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन द्वारा अप्रूव्ड हूप फिटनेस ट्रैकर्स का इस्तेमाल करती हैं। कार्लोस अल्काराज़ और जानिक सिनर जैसे स्टार खिलाड़ी भी नियमित तौर पर ये डिवाइस पहनते हैं। दिलचस्प बात यह है कि डब्ल्यूटीए और एटीपी टूर के ज़्यादातर टूर्नामेंट्स में इन फिटनेस ट्रैकर्स की अनुमति है, लेकिन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में इन्हें प्रतिबंधित कर दिया गया है। सबालेंका ने इस असमानता पर सवाल उठाते हुए कहा कि पूरे साल खिलाड़ी अलग-अलग टूर्नामेंट्स में फिटनेस ट्रैकर्स पहनते हैं, लेकिन ग्रैंड स्लैम में अचानक इन्हें हटाने के लिए कहना समझ से परे है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को ईमेल के ज़रिये आईटीएफ से अनुमति मिलने की जानकारी दी गई थी, जिसके बाद वह कोर्ट पर यह डिवाइस पहनकर उतरी थीं।

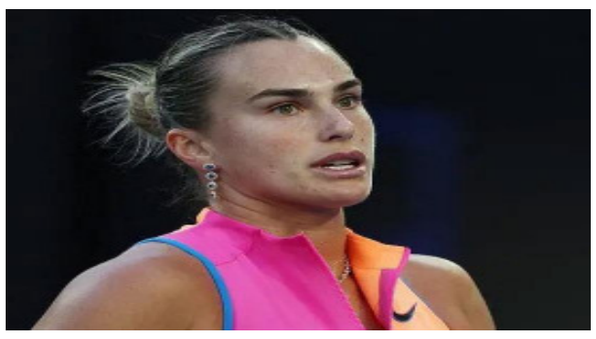

हम इस तरह वर्ल्ड कप में नहीं जाना चाहते थे : क्रिकेट स्कॉटलैंड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद अब स्कॉटलैंड क्रिकेट की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। क्रिकेट स्कॉटलैंड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी टूडी लिंडब्लेड ने बांग्लादेश के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि यह वह तरीका नहीं था, जिससे स्कॉटलैंड वर्ल्ड कप में जगह बनाना चाहता था।

दरअसल, बांग्लादेश ने भारत की यात्रा करने से इनकार करते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया था। इसके बाद आईसीसी ने टूर्नामेंट में उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया। खास बात यह रही कि स्कॉटलैंड यूरोपियन रीजनल क्वालिफायर्स के जरिए वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाया था, लेकिन वह 20 टीमों वाले टूर्नामेंट में शामिल न होने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग (14वीं) टीम थी, जिसके चलते उसे मौका मिला।

टूडी लिंडब्लेड ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, 'हमें बांग्लादेश टीम के लिए निश्चित रूप से सहानुभूति है। जाहिर है, यह वह तरीका नहीं है जिससे हम वर्ल्ड कप में जाना चाहते थे। एक तय क्वालिफिकेशन प्रक्रिया होती है और कोई भी टीम इस तरह आमंत्रित होकर वर्ल्ड कप में खेलना नहीं चाहती। यह हमारी भागीदारी के लिए एक अनोखी परिस्थिति है और हमें बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है।'

बांग्लादेश की जगह लेने के बाद स्कॉटलैंड टीम को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिंडब्लेड ने कहा कि टीम बाहरी राय को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा, 'लोगों की अपनी-अपनी राय होगी और उन्हें ऐसा कहने का हक है। हमें इतना पता है कि हमें वर्ल्ड कप में खेलने का निमंत्रण मिला है। हम आईसीसी रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं और साल भर लगातार क्रिकेट खेलने वाली एक मजबूत टीम हैं।'

स्कॉटलैंड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। रिची बेरिंगटन को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अफगानिस्तान में जन्मे तेज़ गेंदबाज़ जैनुल्लाह इहसान को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

स्कॉटलैंड की टी20 वर्ल्ड कप टीम : रिची बेरिंगटन (कप्तान), टॉम ब्रूस, मैथ्यू क्रॉस, ब्रैडली करी, ओलिवर डेविडसन, क्रिस ग्रिव्स, जैनुल्लाह इहसान, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, फिनले मैक्रीथ, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मंसी, सफयान शरीफ, मार्क वॉट, ब्रैडली व्हील।

भारत को 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती यूरोपीय संघ बाजार पहुंच मिलेगी : गोयल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत को यूरोपीय संघ (ईयू) बाजार में मूल्य के हिसाब से अपने 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात के लिए रियायती शुल्क पर बाजार पहुंच मिलेगी। इससे घरेलू श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन की घोषणा की। गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष वोंडरलेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के नेतृत्व में भारत और यूरोपीय संघ ने सबसे बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।'

गोयल ने कहा कि यह समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक उपलब्धि है, जिससे 1.4 अरब लोगों के लिए 20 हजार अरब डॉलर के यूरोपीय संघ बाजार में विशाल अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'यह ऐसा समझौता है जो हमारे निर्यात के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से को अभूतपूर्व बाजार पहुंच देता है, जिससे हमारे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को जबरदस्त प्रोत्साहन मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' को मजबूती मिलेगी।' उन्होंने बताया कि यह साझेदारी दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच हुई है, जो वैश्विक व्यापार के लगभग एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय व्यवसायों के लिए बड़े व्यापार और निवेश अवसर पैदा होंगे और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम), महिलाएं, युवा, कारीगर, श्रमिक, छात्र, कुशल पेशेवर, मछुआरे, किसान और निर्यातकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''संवेदनशील क्षेत्रों को बचाने के लिए सावधानी बरतने के साथ, उच्च मूल्य वाले यूरोपीय संघ के बाजार में बड़े पैमाने पर संभावनाएं खोलते हुए ग्रामीण आजीविका भी सुरक्षित की गई है।''

मंत्री ने कहा, ''भविष्य के लिए तैयार गतिशीलता ढांचे के साथ सेवा क्षेत्र में एक बड़ी जीत हासिल की गई है जो हमारे कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करने में मदद करेगी।'' गोयल ने कहा कि यह समझौता भविष्य का द्वार है, क्योंकि इससे भारत उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा कर सकेगा, नवाचार को गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिभा व सतत आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

अपने आईपीएल अनुभव पर और ज्यादा भरोसा करने की जरूरत है : टी20 वर्ल्ड कप से पहले बोले रिकेल्टन

केप टाउन **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में शामिल किया गया है, ने कहा है कि वह अपने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अनुभव पर थोड़ा और भरोसा करना चाहते हैं। 22 जनवरी को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने घायल टोनी डी जोरजी और डोनोवन फरेरा की जगह रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स को टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया। 29 साल के रिकेल्टन ने मई 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। तब से इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 18 मैचों में 381 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। रिकेल्टन दक्षिण अफ्रीका की टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम का भी हिस्सा थे, जो बारबाडोस में भारत से हारने से पहले फाइनल में पहुंची थी। उन्होंने 2025 सीजन में आईपीएल में डेब्यू किया। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए रिकेल्टन ने 14 मैचों में 388 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

आगामी आईसीसी टूर्नामेंट से पहले रिकेल्टन ने कहा कि उन्हें उपमहाद्वीप में अपने अप्रोच के बारे में सोचने की जरूरत है, जहां भारत में दो वनडे में उनके दो डक हैं, लेकिन पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने शतक बनाया था। रिकेल्टन ने कहा, 'मुझे शायद अपने आईपीएल अनुभव पर थोड़ा और भरोसा करने की जरूरत है। यह वनडे क्रिकेट था जहां मुझे संघर्ष करना पड़ रहा था। मुझे लगता है कि मुझे आईपीएल से थोड़ा अनुभव मिला है, दबाव का, मैं मैदान से काफी परिचित हूं और शायद मैं जिन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने वाला हूं, उनमें से कई को जानता हूं।'

एसबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक को पछाड़ा 6 साल बाद हासिल किया यह बड़ा मुकाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में 6 साल के बाद आईसीआईसीआई बैंक को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर देश का दूसरा सबसे मूल्यवान बैंक बनने का गौरव हासिल कर लिया है। छह साल से अधिक समय बाद एसबीआई ने यह मुकाम पाया है, जबकि पहले स्थान पर अब भी एचडीएफसी बैंक बना हुआ है।

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एसबीआई का मार्केट कैप ?9.71 लाख करोड़ रहा, जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप ?9.57 लाख करोड़ दर्ज किया गया। वहीं, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप ?14.16 लाख करोड़ के स्तर पर है। इससे पहले अगस्त 2019 में एसबीआई का मार्केट कैप ?2.69 लाख करोड़ और आईसीआईसीआई बैंक का ?2.65 लाख करोड़ था। शेयर बाजार में एसबीआई के शेयर में मजबूती देखने को मिली। यह करीब 2.28 फीसदी की तेजी के साथ ?1, 053 पर बंद हुआ। हाल ही में 22 जनवरी 2026 को एसबीआई का शेयर ?1, 055.35 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा था। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.49 फीसदी की तेजी के साथ ?1, 363.35 पर बंद हुआ।

जनवरी 2026 में अब तक एसबीआई के शेयर में करीब 6 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में सेंसेक्स 4.2 फीसदी गिरा है। इसके मुकाबले एचडीएफसी बैंक के शेयर में 7.2 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में 0.3 फीसदी की गिरावट आई है।

एसबीआई के बेहतर प्रदर्शन के पीछे विदेशी निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी अहम वजह मानी जा रही है। दिसंबर 2025 तिमाही में बैंक में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 10.34 फीसदी हो गई, जो एक साल में सबसे ऊंचा स्तर है। बैंक का कारोबार मजबूत बना हुआ है और कर्ज से जुड़े जोखिम भी नियंत्रण में हैं।

सेंसेक्स 319 अंक की तेजी के साथ 81, 857 पर बंद, निफ्टी 25, 170 के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शेयर बाजार में आज यानी 27 जनवरी को भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेंसेक्स 319 अंक की तेजी के साथ 81, 857 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी भी 126 अंक उछलकर 25, 175 के स्तर पर क्लोज हुआ।

एशियाई बाजारों में मजबूती देखने को मिली, जहां दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 2.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 5, 084 के स्तर पर पहुंच गया है। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत चढ़कर 53, 333 पर कारोबार कर रहा है। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 27, 126 और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 4, 139 पर पहुंच गया है।

अमेरिकी बाजारों में भी 26 जनवरी को मजबूती देखने को मिली थी। डाउ जोन्स 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 49, 412 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डेक इंडेक्स 0.43 प्रतिशत और एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए थे।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला हालांकि जारी है। 23 जनवरी को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 3, 191 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3, 173 करोड़ रुपए के शेयर खरीदकर बाजार को सहारा दिया। दिसंबर 2025 में विदेशी निवेशकों ने कुल 34, 350 करोड़ रुपए के शेयरों की बिकवाली की थी, जबकि इसी अवधि में घरेलू निवेशकों ने 79, 620 करोड़ रुपए का निवेश किया था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी का तूफान जिम्बाब्वे के खिलाफ ठोका शानदार अर्धशतक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय अंडर-19 टीम के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर अपने आक्रामक खेल से सुर्खियों में आ गए हैं। अंडर-19 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में वैभव ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाज़ी करते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा। उनकी यह पारी भले ही शतक में नहीं बदल सकी, लेकिन भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में निर्णायक साबित हुई। लगातार दूसरे मैच में फिफ्टी लगाकर वैभव ने यह साफ कर दिया है कि वह इस टूर्नामेंट में भारत के सबसे अहम बल्लेबाजों में से एक हैं।

बुलवायों में खेले जा रहे इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। उन्होंने बिना समय गंवाए बड़े शॉट खेलने शुरू किए और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। उनकी बल्लेबाज़ी में आत्मविश्वास और आक्रामकता साफ झलक रही थी, जिससे जिम्बाब्वे की टीम बैकफुट पर चली गई।

वैभव ने इस मैच में सिर्फ 30 गेंदों का सामना करते हुए 52 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और चार लंबे छक्के निकले। 173.33 के स्ट्राइक रेट से खेली गई यह पारी टी20 अंदाज़ की याद दिलाने वाली थी, जिसने भारत को तेज़ शुरुआत दी। जब वैभव आउट हुए, तब टीम का स्कोर 101 रन था, जिसमें आधे से ज़्यादा रन अकेले उनके खाते में थे। वैभव के साथ पारी की शुरुआत करने वाले एरॉन जॉर्ज ने भी शुरुआती ओवरों में तेज़ बल्लेबाज़ी की। उन्होंने 16 गेंदों में दो चौके और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए, जिससे भारत की रनगति बनी रही। इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे क्रीज पर आए और उन्होंने 19 गेंदों में 21 रन जोड़े। अपनी पारी में कप्तान ने एक चौका और दो छक्के लगाए। हालांकि, कप्तान के आउट होने के तुरंत बाद वैभव भी पवेलियन लौट गए, जिससे भारत को एक साथ दो झटके लगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह अर्धशतक वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 वर्ल्ड कप में दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ भी शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए 72 रन बनाए थे। उस पारी में उन्होंने 67 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाए थे। हालांकि वह पारी अपेक्षाकृत धीमी थी, लेकिन उसमें शतक की पूरी उम्मीद नजर आ रही थी। वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाज़ी की सबसे बड़ी खासियत उनकी अनिश्चितता है। जिस अंदाज़ में वह शॉट्स खेलते हैं, उससे गेंदबाज़ और फील्डर दोनों ही अंदाज़ा नहीं लगा पाते कि अगली गेंद पर क्या होने वाला है। यही वजह है कि वह विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखते हैं।

अडानी समूह, एम्ब्रेयर ने भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए रणनीतिक सहयोग की घोषणा की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अडानी समूह और ब्राजील की प्रमुख वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर ने एक रणनीतिक सहयोग की मंगलवार को घोषणा की। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। यह साझेदारी छोटे व मझोले शहरों के लिए हवाई संपर्क को बेहतर बनाने में मदद करेगी। इस साझेदारी की घोषणा मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में की गई।

नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल क्षेत्रीय विमानों के संयोजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाना भी शामिल है। 'अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस' के निदेशक जीत अडानी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सहयोग से भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक विमान (जेट) बनाती है। इस साझेदारी के साथ, भारतीय विमानन क्षेत्र में पहले से ही मजबूत उपस्थिति रखने वाला अडानी समूह, भारत में विमान विनिर्माण के क्षेत्र में कदम रख रहा है। ये दोनों कंपनियां देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) भी स्थापित करेंगी।

'अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस' के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष राजवंशी ने कहा कि यह सहयोग देश के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अडानी समूह के साथ यह साझेदारी भारत के नागर विमानन क्षेत्र में ब्राजील की इस प्रमुख कंपनी को बड़ा प्रोत्साहन देगी जहां इसका लक्ष्य अपने क्षेत्रीय विमानों के साथ लागत प्रतिस्पर्धी वातावरण प्रदान करना है।

सारा अली खान पर कमेंट पड़ा भारी, भड़के प्रशंसकों ने ओरी को बताया 'धमकाना', मचा बवाल

सारा अली खान और ओरहान अवतरामणि उर्फ ओरी के बीच जो दोस्ती का रिश्ता था, उसमें अब एक बड़ा बदलाव आ गया है। ओरी ने सोशल मीडिया पर हाल ही में एक रील में सारा पर बिना नाम लिए ताना मारा, जिसने इंटरनेट का ध्यान खींचा है। ओरी का यह व्यंग्यात्मक जवाब तब आया जब सारा ने उन्हें सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया और इंटरनेट ने इसे 'दयनीय' कहा है।

सोमवार को ओरी ने एक रील शेयर की जिसमें उन्होंने एक और क्रिएटर अमूल्या रतन के वीडियो को ट्विस्ट दिया, जिसमें वह एक आदमी के 'सिविक सेंस' पर सवाल उठा रही थीं क्योंकि वह उनके पीछे चल रहा था जब वह वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं। हालांकि, जिस बात ने सच में इंटरनेट का ध्यान खींचा, वह था ओरी का सारा अली खान के करियर पर किया गया कमेंट। वीडियो में देखा जा सकता है कि, ओरी ने एक ब्लू मेश टॉप पहना हुआ था जिस पर ब्रा की प्रिंटेड डॉटेड आउटलाइन बनी हुई थी। एक सोशल मीडिया यूज़र ने कमेंट किया, 'असली सवाल- वह ब्रा असल में क्या पकड़े हुए है?' इस पर ओरी ने जवाब दिया, 'सारा अली खान की हिट्स।' इंटरनेट को सारा पर किया गया ओरी कमेंट पसंद नहीं आया।

एक रेडिट यूज़र ने लिखा, 'बहुत बुरा। मैंने सच में जान्हवी को भी अनफॉलो कर दिया क्योंकि अगर आप इस तरह के इंसान के साथ जुड़े हैं, तो यह आपकी सोच भी दिखाता है।' दूसरे ने लिखा, 'सारा अली खान कई तरह से गलत हो सकती हैं, लेकिन ओरी जो कर रहा है वह बहुत ही घटिया है!! सोचिए एक बड़ा आदमी ऐसे बर्ताव कर रहा है।' एक और ने कमेंट किया, 'आप लोगों को उसे अटेंशन देना बंद करना चाहिए। ओरी बस अटेंशन पाने वाला है और अब एक बुली बन गया है।' दूसरे ने लिखा, 'अब ओरी सिर्फ पब्लिसिटी के लिए ऐसा कर रहा है। उसे सारा से फ्री पब्लिसिटी चाहिए।'

हालांकि दोनों लंबे समय से दोस्त हैं लेकिन दरार की अफवाहें तब शुरू हुईं जब ओरी ने '3 सबसे खराब नाम' टाइटल वाली एक रील शेयर की और बिना सरनेम बताए उदाहरण के तौर पर सारा, अमृता और पलक के नाम जोड़े। इसके बाद, सारा और इब्राहिम ने इंस्टाग्राम पर ओरी को अनफॉलो कर दिया।

सारा को हाल ही में अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में देखा गया था। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, नीना गुप्ता, अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा भी हैं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। अब सारा अगली बार आयुष्मान खुराना के साथ पति पत्नी और वो 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी हैं और यह इस साल के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बिग बॉस विनर प्रिंस नरूला ने युविका चौधरी से तलाक की अटकलों पर लगाया फुल स्टॉप, बोले- 'हम अलग नहीं हो रहे'

हाल ही में अपनी बेटी 'एक्लीन' के माता-पिता बने प्रिंस नरूला और युविका चौधरी की शादीशुदा जिंदगी पिछले कुछ दिनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर दोनों के अलग होने की अटकलें तब तेज हो गईं, जब कुछ मौकों पर दोनों को साथ नहीं देखा गया। अब प्रिंस नरूला ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए अपनी चुप्पी तोड़ी है और साफ किया है कि उनके बीच सब कुछ ठीक है।

एक इंटरव्यू में प्रिंस ने स्वीकार किया कि हर शादीशुदा जोड़े की तरह उनके बीच भी असहमति होती है, लेकिन इसका मतलब अलगाव नहीं है। प्रिंस ने कहा, 'हर पति-पत्नी की जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते हैं। हमारे एक वीडियो को लोगों ने गलत संदर्भ में ले लिया था। मैंने बस अपनी भावनाएं जाहिर की थीं। हम इतने समझदार हैं कि अगर अलग होने की बात होती, तो साफ कर देते। हम कभी ऐसा सोच भी नहीं सकते। जैसे हम अपने माता-पिता या भाई-बहनों से लड़ते हैं, वैसे ही पति-पत्नी का झगड़ा भी सामान्य है, इसका मतलब रिश्ता खत्म करना नहीं होता।'

प्रिंस ने बताया कि बेटी एक्लीन के आने के बाद उनकी और युविका की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। अब उनकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं और वे पहले से ज्यादा शांत हो गए हैं। प्रिंस ने साझा किया, 'अब मैं काम खत्म होते ही पहली फ्लाइट पकड़कर घर भागना चाहता हूं। हम अब छोटी-छोटी बातों पर नहीं झगड़ते क्योंकि हमारी पूरी दुनिया अब हमारी बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। वह हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है और उसी की वजह से मैं और युविका अब साथ में ज्यादा वक्त बिता पाते हैं।' प्रिंस और युविका की शादी में दरार की खबरें तब उड़ीं जब युविका, प्रिंस के जन्मदिन के जश्न में नजर नहीं आईं। इसके बाद प्रिंस के एक रहस्यमयी इंस्टाग्राम पोस्ट ने आग में घी डालने का काम किया। उन्होंने लिखा था, 'कुछ लोग ब्लॉग्स में झूठ बोलकर सच्चे बन जाते हैं और कुछ चुप रहकर गलत साबित हो जाते हैं। इस जमाने में रिश्तों से ज्यादा ब्लॉग्स जरूरी हैं।'

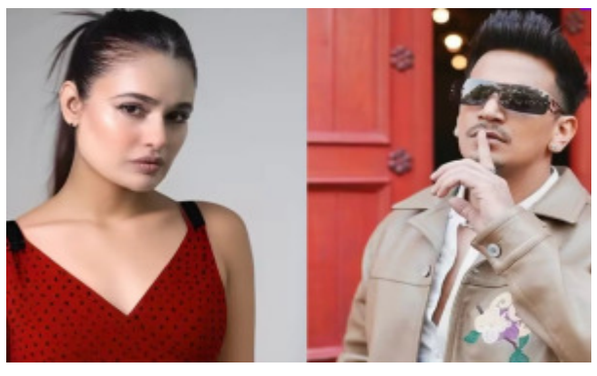

प्रशंसकों ने इसे युविका पर सीधा तंज माना था। इसके बाद बेटी के दो महीने पूरे होने पर दोनों के अलग-अलग पोस्ट ने भी लोगों को हैरान किया।

तमाम अटकलों के बीच, प्रिंस नरूला ने हाल ही में लोहड़ी सेलिब्रेशन की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में प्रिंस, युविका और उनकी नन्ही बेटी एक साथ खुश नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी शादीशुदा जिंदगी की नींव आज भी मजबूत है। बता दें कि 'बिग बॉस 9' में मिले इस जोड़े ने अक्टूबर 2018 में शादी की थी और 2024 में अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।

शंकराचार्य विवाद में उमा भारती की एंट्री, बोलीं- सबूत मांगना गलत, मेरा बयान सीएम योगी के खिलाफ नहीं

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता उमा भारती ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से उनके शंकराचार्य पदवी का प्रमाण मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके इस कथन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अनादर करना नहीं है। एक पोस्ट में भारती ने कहा कि इस तरह के प्रमाण मांगने का अधिकार केवल शंकराचार्य या विद्वान परिषद के पास है।

उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि मुझे विश्वास है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज एवं उत्तर प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आएगा किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है, यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है। हालांकि, इसके बाद उमा भारती ने एक और एक्स पोस्ट किया।

उमा भारती ने लिखा कि योगी विरोधी खुश फहमी ना पालें, मेरा कथन योगी जी के विरुद्ध नहीं है, मैं उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं शुभकामना का भाव रखती हूं किंतु मैं इस बात पर कायम हूं कि प्रशासन कानून-व्यवस्था पर सख्ती से नियंत्रण करे लेकिन किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है, यह सिर्फ शंकराचार्य या विद्वत परिषद कर सकते हैं। उनकी ये टिप्पणी माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोकने के कथित प्रयास के बाद आई है।

हालांकि, प्रयागराज प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। संभागीय आयुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि शंकराचार्य

बिना पूर्व अनुमति के लगभग 200 अनुयायियों के साथ संगम पर पहुंचे, जबकि वहां भारी भीड़ थी। शनिवार को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हाल के वर्षों में न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे देश में धार्मिक त्योहारों, छुट्टियों, पूजा-पाठ और स्नान समारोहों में राजनीतिक हस्तियों का हस्तक्षेप बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि यह प्रवृत्ति जनता के बीच नए संघर्षों और चिंताओं को जन्म दे रही है। प्रयागराज स्नान समारोह विवाद का ताजा उदाहरण देते हुए मायावती ने चेतावनी दी कि 'संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को राजनीति से जोड़ना अंतर्निहित रूप से खतरनाक है'। उन्होंने पर पोस्ट किया, 'प्रयागराज में स्नान समारोह को लेकर पनप रहे कड़वे विवाद को आपसी सहमति से जल्द से जल्द सुलझाया जाना चाहिए - जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा।'

कर्नाटक में कांग्रेस का 'लोक भवन चलो' मार्च सीएम गरजे- संवैधानिक अधिकार छीन रही केंद्र सरकार

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस का विरोध वीबी जी राम जी विधेयक के माध्यम से एमजीएनआरईजीए को निरस्त करने के विरोध में था। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है और केंद्र सरकार के हाथों में सत्ता का केंद्रीकरण करता है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने आज बेंगलुरु में केंद्र के वीबी जी राम जी अधिनियम के खिलाफ राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 'लोक भवन चलो' विरोध प्रदर्शन के लिए बसों से कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए लोक भवन तक का सफर तय किया।

सिद्धारमैया ने कहा कि पार्टी ने मांग की है कि इस कानून को रद्द किया जाए और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को बहाल किया जाए। राजभवन में पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि विरोध प्रदर्शन में राज्य भर से हजारों लोग

शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अदालत के आदेश का पालन करते हुए रैली नहीं निकाली और इसके बजाय बसों से राजभवन पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज, केपीसीसी की ओर से, हमने राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इस प्रदर्शन में हजारों लोगों ने भाग लिया। चूंकि अदालत का आदेश है, इसलिए हमने विरोध रैली नहीं निकाली और दो बसों से राजभवन आए।

सिद्धारमैया ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन वीबी जी राम जी विधेयक के माध्यम से एमजीएनआरईजीए को निरस्त करने के विरोध में किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कदम संवैधानिक अधिकारों का हनन करता है और सत्ता को केंद्र सरकार के हाथों में केंद्रित करता है। उन्होंने कहा कि कारण यह है कि वीबी जी राम जी विधेयक के जरिए एमजीएनआरईजीए को निरस्त कर दिया गया है। वे संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों को छीन रहे हैं। अब, इस वीबी जी राम जी विधेयक के साथ, केंद्र सरकार ही सब कुछ तय करेगी।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कांग्रेस आने वाले दिनों में पूरे कर्नाटक में अपना आंदोलन तेज करेगी। उन्होंने कहा, 'हम पूरे राज्य में अपना विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्हें इस वीबी जी राम जी विधेयक को निरस्त करके एमजीएनआरईजीए को वापस लाना चाहिए। तब तक, हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि पार्टी जन समर्थन जुटाने के लिए राज्य के कई हिस्सों में पदयात्रा करेगी। उन्होंने कहा कि हम राज्य के कई स्थानों पर पदयात्रा करेंगे। इसके अलावा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि कर्नाटक की सभी ग्राम पंचायतों का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा जाएगा।

शोएब इकबाल और बेटे की मुश्किलें बढ़ीं एमसीडी केस में राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को पूर्व विधायक शोएब इकबाल की उस पुनरीक्षण याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें एक लोक सेवक को उसके आधिकारिक कर्तव्य निर्वहन में कथित रूप से बाधा डालने के आरोप में दर्ज आपराधिक मामले में आरोप तय किए जाने के खिलाफ अपील की गई है। 2017 की एफआईआर में आरोप है कि दरियागंज में एक संपत्ति का निरीक्षण करते समय एमसीडी अधिकारियों के एक दल को रोका गया और उन्हें बंधक बनाकर रखा गया। आरोप है कि उपायुक्त द्वारा याचिकाकर्ताओं से बात करने के बाद ही दल को जाने दिया गया। आरोप है कि दल को निरीक्षण के दौरान मोबाइल से ली गई तस्वीरों को हटाने के लिए मजबूर किया गया।

शोएब इकबाल ने 22 नवंबर, 2025 और 14 जनवरी, 2026 के दो आदेशों को चुनौती दी है, जिनमें आरोप तय करने के निर्देश दिए गए थे। याचिकाकर्ताओं, पूर्व विधायक शोएब इकबाल और उनके बेटे, विधायक आले मोहम्मद इकबाल की ओर से अधिवक्ता वजीह शफीक

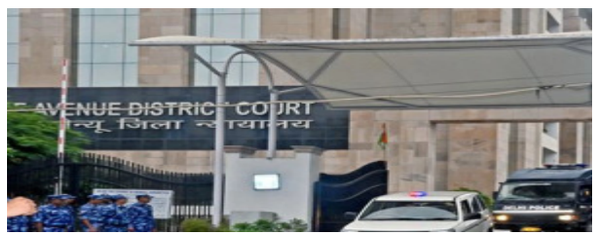

उपस्थित हुए। याचिकाकर्ताओं ने 22 नवंबर के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 186, 342, 353 और 201 के साथ धारा 34 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया गया था।

14 जनवरी, 2026 के एक अन्य आदेश को भी चुनौती दी गई है। इसमें कहा गया है कि संबंधित समय पर, यानी कथित अपराध की तारीख को, आले मोहम्मद इकबाल विधानसभा सदस्य नहीं थे, बल्कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सिटी जोन वार्ड कमेटी के अध्यक्ष थे। उस दिन शोएब इकबाल विधायक नहीं थे। 13 जनवरी, 2017 को, उत्तरी दिल्ली नगर निगम मुख्यालय के कार्यकारी अभियंता (भवन) संजीव कुमार मिश्रा की शिकायत पर दरियागंज पुलिस स्टेशन की पुलिस ने याचिकाकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

भाजपा ने शेखों का सम्मान किया लेकिन सूफी मकबरे पर तोड़फोड़ को खुशी से देखा-महबूबा

श्रीनगर **(एजेंसी)**। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके नेताओं ने पश्चिम एशिया के शेखों के लिए लाल कालीन बिछाया, लेकिन सूफी कवि बाबा बुल्ले शाह के मकबरे में तोड़फोड़ होने पर खुशी से देखते रहे। महबूबा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "भाजपा नेता विदेशों में मस्जिदों में तस्वीरें खिंचवाते हैं और पश्चिम एशिया के शेखों के लिए लाल कालीन बिछाते हैं।

लेकिन अपने देश में, वे सूफी कवि बाबा बुल्ले शाह के मकबरे पर हो रही तोड़फोड़ को खुशी से देखते हैं।" पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "यह पाखंड आकस्मिक नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया है।

बढ़ती गरीबी, व्यापक बेरोजगारी और युवा पीढ़ी से छीने गए भविष्य के लिए जवाबदेह होने से कहीं अधिक आसान सद्भाव के प्रतीकों को नष्ट करना है।" महबूबा 24 जनवरी को मसूरी में बाबा बुल्ले शाह की मजार पर दक्षिणपंथी हिंदू कार्यकर्ताओं द्वारा की गई कथित तोड़फोड़ पर प्रतिक्रिया दे रही थीं।

भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा किया, पीएम मोदी ने इसे बताया साझा समृद्धि का ब्लूप्रिंट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता के समापन की घोषणा करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। भारत और यूरोपीय संघ ने सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी समझौते के साथ ही आवागमन के लिए व्यापक ढांचा तैयार करने से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने आज 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के साथ अपना अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता किया। यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं बल्कि साझा समृद्धि का एक नया खाका है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपियन यूनियन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और लोगों के बीच मजबूत संबंधों के चलते हमारी साझेदारी नई उच्चाइयों तक पहुंच रही हैं। आज हमारे बीच 180 बिलियन यूरो का ट्रेड है। 8 लाख से अधिक भारतीय यूरोपियन यूनियन के देशों में रह रहे हैं और सक्रिय योगदान दे रहे हैं...आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट संपन्न किया है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूरोपियन यूनियन के संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और लोगों के बीच मजबूत संबंधों

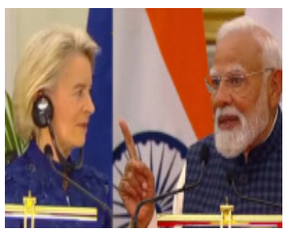

के चलते हमारी साझेदारी नई उच्चाइयों तक पहुंच रही हैं। आज हमारे बीच 180 बिलियन यूरो का ट्रेड है। 8 लाख से अधिक भारतीय यूरोपियन यूनियन के देशों में रह रहे हैं और सक्रिय योगदान दे रहे हैं...आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट संपन्न किया है। पीएम मोदी ने कहा कि इस समझौते के तहत हम साथ मिलकर आईएमआए कॉरिडोर को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ग्लोबल ऑर्डर में उथल पुथल है। पीएम मोदी ने वैश्विक संस्थानों में रिफॉर्म का मुद्दा फिर से उठाया और कहा रिफॉर्म बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से एक नया युग शुरू हुआ है। भारत-ईयू की ये समिट अहम क्षण है। पीएम मोदी ने साझा भविष्य के प्रति ईयू नेताओं के सहयोग के लिए पीएम ने धन्यवाद दिया।

ट्रम्प का जासूस निकला जिनपिंग का करीबी! परमाणु हथियारों से जुड़ा डेटा अमेरिका को किया लीक

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो सबसे ताकतवर और करीबी और भरोसेमंद आर्मी जनरल्स अमेरिका के लिए जासूसी कर रहे थे और इन दोनों जनरल्स का नाम जांग यूशिया और ल्यू झेनली है। यह दोनों ही शी जिनपिंग के बहुत करीबी माने जाते हैं। 75 वर्ष के जनरल यूशिया चीन की सबसे बड़ी और सबसे ताकतवर सैन्य संस्था सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष हैं। यानी दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। पहले नंबर पर सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं खुद शी जिनपिंग जो कि इस संस्था के चेयरमैन हैं और जो वाइस चेयरमैन हैं वो जांग योशिया ये जनरल युसिया जो हैं ये चीन के साथ गद्दारी कर रहे थे। चीन की हर एक सेना का कमांड और कंट्रोल इसी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पास होता है। जनरल ल्यू जेनली भी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में चीफ ऑफ स्टाफ यानी एक बहुत बड़े अधिकारी थे। जनरल यूशिया और शी जिनपिंग जो चीन के राष्ट्रपति हैं। यह दोनों बहुत करीबी दोस्त थे। यानी एक दोस्त ने ही दूसरे दोस्त के साथ गद्दारी की और एक दोस्त ने शी जिनपिंग का तख्ता पलट करने की कोशिश की।

आरोप यह है कि इन दोनों

जनरल्स ने चीन के परमाणु हथियारों से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण डाटा अमेरिका को लीक कर दिया। अमेरिका को दे दिया। और यह दावा खुद अमेरिका के ही एक एक अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने किया है। सवाल यह है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इतने खास इतने गहरे दोस्त इस जनरल पर परमाणु जानकारी लीक करने का आरोप कैसे लगा? दरअसल, 24 जनवरी को एक बंद कमरे में चीन की सेना के जो बड़े-बड़े जनरल्स थे उनकी एक हाई लेवल मीटिंग हुई और वहीं पर पहली बार यह आरोप लगाया गया। इसके कुछ ही घंटों के बाद चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दिया जिसमें जनरल यूशिया पर राष्ट्रीय कानून और पार्टी के अनुशासन को तोड़ने का इसका उल्लंघन करने का शक जताया गया और ल्यू जेन ली के खिलाफ भी एक और जांच इस समय चल रही है। इससे पहले 19 जनवरी को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चाइना नेशनल न्यूक्लियर कॉरपोरेशन के पूर्व जनरल मैनेजर के खिलाफ भी ऐसे ही जांच शुरू करवाई थी और सीएनएसी पर चाइना के नागरिक और सैन्य परमाणु कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी होती है। इस इन्वेस्टिगेशन के दौरान कुछ ऐसे सबूत मिले जिसके बाद जांच की जो सुई है वो जनरल युक्सिया तक भी पहुंच गई और इस जनरल पर अमेरिका को परमाणु हथियारों की जानकारी लीक करने के अलावा तीन और बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला चीन की सेना के लिए हथियारों की खरीद से जुड़ी गोपनीय जानकारी अमेरिका को दे दी गई। दूसरा चीन की सेना में बड़े पदों के बदले रिश्वत ली गई। बड़े पदों पर जो अपॉइंटमेंट होती है उसके बदले रिश्वत खाई गई और सेना के अंदर गुटबाजी पैदा की गई और तीसरा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में फूट डालने की कोशिश का भी आरोप इन पर लगा है।

हमें डील करने में वक्त लगता है, पर हम वादा निभाते हैं, ईयू की काजा कल्लास का भारत को भरोसा

ब्रुसेल्स **(एजेंसी)**। यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कल्लास ने मंगलवार को भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता (एफटीए) की सराहना करते हुए कहा कि दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'यूरोप, भारत और बदलती विश्व व्यवस्था' विषय पर एक सम्मेलन में बोलते हुए कल्लास ने कहा कि समझौते पर बातचीत में भले ही लंबा समय लगा हो, लेकिन अब यूरोप इस पर कायम रहने का इरादा रखता है। जब मैं दुनिया भर में घूमती हूँ, तो मैं देखती हूँ कि अधिक से अधिक देश यूरोप के साथ साझेदारी बनाना चाहते हैं क्योंकि हम भरोसेमंद हैं, जो आजकल एक महत्वपूर्ण गुण बनता जा रहा है। हमें समझौते करने में लंबा समय लगता है, लेकिन जब हम कर लेते हैं, तो हम उन पर कायम रहते हैं। हम उन्हें लागू करते हैं, और यही बात अब मायने रखती है... जब हम आखिरकार अपने लक्ष्य तक पहुँच जाते हैं, तो हम वास्तव में अपने वादे और समझौते निभाते हैं। मुझे लगता है कि यह बेहद महत्वपूर्ण है... हम विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं, और हमने सुरक्षा, रक्षा, विदेश नीति,

समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार कर ली है। हम इस बारे में बातचीत कर रहे हैं क्योंकि निर्णय लेने के लिए, आपको उपलब्ध तथ्यों और खुफिया जानकारी से अवगत होना आवश्यक है।

कल्लास ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने व्यापारिक संबंध स्थापित करने में वास्तविक रुचि देखी, खासकर ऐसे समय में जब कुछ महाशक्तियां बहुपक्षीय व्यवस्था को फिर से परिभाषित करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बैठक में व्यापारिक संबंध स्थापित करने के साथ-साथ भू-राजनीतिक परिदृश्य से संबंधित अन्य मुद्दों में भी सच्ची रुचि दिखाई दे रही है। क्योंकि हम देख रहे हैं कि महाशक्तियां बहुपक्षीय व्यवस्था को फिर से परिभाषित करना चाहती हैं, जहां सब कुछ विभाजित है... एक छोटे देश से होने के नाते, मैं ईमानदारी से कह सकती हूं कि यह छोटे और मध्यम आकार के देशों के हित में नहीं है। भारत एक छोटा देश नहीं है। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि यूरोप में सहयोग की गुंजाइश है। यूरोपीय संघ और भारत के बीच विदेश नीति को लेकर भी संबंध हैं।

कल्लास ने कहा कि इस समय यूरोप को रूस से खतरा है और यूरोप की क्षमताओं को मजबूत करना आवश्यक है। इस समय रूस से हमारे अस्तित्व को गंभीर खतरा है। हमारे सदस्य देश रक्षा खर्च बढ़ा रहे हैं, और फिर यह भी मायने रखता है कि हम क्षमताएं कहां से खरीदें और किसके साथ साझेदारी करें। पहले चरण में, हम चाहते हैं कि यह पैसा यूरोपीय उद्योग को मिले, लेकिन अगर यूरोपीय उद्योग आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है, तो हम बाहर से खरीद सकते हैं, और मुझे लगता है कि भारत जैसे बड़े देश से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा भी हमारे उद्योगों के लिए समाधान खोजने में सहायक होगी। इससे पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, 'हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि तेजी से असुरक्षित होती दुनिया में अपने लोगों को सुरक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।

इटली के राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान : भारत के साथ दोस्ती में नया मोड़, अब और भी गहरे होंगे रिश्ते

रोम **(एजेंसी)**। इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला ने कहा है कि भारत और इटली के संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा ये पारस्परिक लाभ के लिए और अधिक गहरे होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश "लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान" जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने शुभकामना संदेश में, मैटारेला ने आशा व्यक्त की कि द्विपक्षीय एजेंडा के हर क्षेत्र में, साथ ही भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के ढांचे के भीतर, "हमारे देशों के बीच तालमेल" मजबूत हो सकता है, जिसे नए आर्थिक और व्यापारिक समझौतों से "काफी लाभ" होगा। छब्बीस जनवरी की तारीख वाले शुभकामना संदेश का अंग्रेजी अनुवाद इतालवी दूतावास ने मंगलवार को साझा किया।

मैटारेला ने कहा, 'गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपको, राष्ट्रपति महोदया, भारत गणराज्य के समृद्ध भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। भारत और इटली के संबंध तेजी से अग्रसर हो रहे हैं, जो हमारे पारस्परिक लाभ के लिए और अधिक गहन होंगे।' संदेश में कहा गया है कि संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना के कार्यान्वयन की बदौलत द्विपक्षीय साझेदारी, सहयोग के नए अवसरों से "हर दिन समृद्ध हो रही है", चाहे वह "हमारे संबंधित आर्थिक संचालकों के बीच संयुक्त परियोजनाओं, वैज्ञानिक सहयोग, या हमारे नागरिक समाजों के बीच तेजी से गहन और फलदायी संपर्कों" के माध्यम से हो। मैटारेला ने यह भी कहा कि दिल्ली और रोम "लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान" जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं।

उन्होंने कहा, "वे कई परस्पर संबंधित हितों का भी अनुसरण करते हैं, जिनकी शुरुआत नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सुरक्षा, हिंद-भूमध्य सागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता की शांतिपूर्ण प्राप्ति तथा प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के प्रभावी बहुपक्षीय प्रबंधन से होती है।"

अमेरिका में बर्फीले तूफान का तांडव 25 लोगों की मौत, हजारों फ्लाइट्स कैंसिल, अंधेरे में डूबे 7 लाख घर

वॉशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका इस समय कुदरत के भीषण कहर का सामना कर रहा है। आर्कन्सा से लेकर न्यू इंग्लैंड तक फैले 1, 300 मील के दायरे में आए बर्फीले तूफान ने पूरे देश की रफ्तार रोक दी है। इस आपदा में अब तक कम से कम 25 लोगों की जान जा चुकी है। कड़ाके की ठंड और जमा देने वाली बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। वहीं 8, 000 से ज्यादा फ्लाइट्स या तो रद्द हुईं या देरी से चलीं। बर्फीले तूफान ने आसमान में भी कोहराम मचाया है। सोमवार को 8, 000 से ज्यादा फ्लाइट्स या तो रद्द हुईं या देरी से चलीं। रविवार को हालात इतने खराब थे कि अमेरिका की 45 प्रतिशत उड़ानें उड़ान ही नहीं भर सकीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौतें केवल ठंड से ही नहीं बल्कि हादसों से भी हुई हैं। मैसाचुसेट्स में बर्फ हटाते समय दुर्घटनाएं हुईं वहीं आर्कन्सा और टेक्सास में स्लेजिंग के दौरान हुए हादसों में लोगों ने जान गंवाई।

ग्रोक एआई ने कर दिया कांड, पीएम मोदी की पोस्ट का किया उल्टा ट्रांसलेशन, बना दिया इसे विवादित

माले **(एजेंसी)**। एक्स के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस असिस्टेंट ग्रोक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राजनयिक पोस्ट का गलत ट्रांसलेशन करके बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर दुनियाभर से बधाइयों का सिलसिला देखने को मिला। इसी क्रम में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संदेश का जवाब मालदीव की आधिकारिक भाषा दिवेही में दिया। मालदीव ने लिखा कि मैं भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आपको अपनी गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं और बेस्ट विशेज देता हूं। हम दोनों देशों के लोगों के हित में मिलकर काम करना जारी रखेंगे। मैं मालदीव के सभी लोगों को समृद्धि और खुशी से भरे भविष्य की कामना करता हूं।

भारत की तरफ से दिए गए जवाब में लिखा गया शुक्रिया, रायिथुन मजलिस। भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह मालदीव में आयोजित हुए थे और मालदीव सरकार ने इसमें भाग लिया। ये शुक्रिया सरकार भी लोगों के एंटी-इंडिया कैंपेन में शामिल रही है। यहां तक कि दो एंटी-इंडिया कैंपेन में वो विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे रही हैं। ये ट्रांसलेशन न सिर्फ अर्थ में अलग था, बल्कि पूरी तरह से काल्पनिक और भड़काऊ है। पीएम मोदी के पोस्ट में एंटी-इंडिया जैसा कोई शब्द या संकेत नहीं था। इस अनुवाद को लेकर सोशल मीडिया यूज़र्स ने सवाल उठाए और इसे तथ्यों से परे और भ्रामक बताया।

संशोधित अनुवाद में लिखा थाः धन्यवाद, राष्ट्रपति मुइज़्ज़ू। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपके द्वारा दी गई हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं को आदरपूर्वक स्वीकार करता हूँ। हम दोनों देशों के नागरिकों के हित में मिलकर जो कार्य कर रहे हैं, उसे आगे बढ़ाते रहेंगे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।